कार्तिक कृष्णा - 13 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 97 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 30-10-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

5 मैक्सवेल का खुलासा, कंधे की चोट का मजाक उड़ाने के लिए कोहली ने इंस्टाग्राम पर ब्लॉक किया था

शुभ दीपावली

7 सलमान खान की फिल्म वांटेड से सिंघम बनाने की प्रेरणा मिली : रोहित शेट्टी

फर्स्ट टेक

मंगलवार को भी मिलीं सौ से अधिक उड़ानों को बम की धमकियां

नई दिल्ली/मुंबई/भाषा। विभिन्न भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा संचालित 100 से अधिक उड़ानों को मंगलवार को बम की धमकियां मिलीं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पिछले 16 दिनों में 510 से अधिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को ऐसी धमकियां मिली हैं, जो बाद में अफवाह साबित हुईं। इनमें ज्यादातर धमकियां सोशल मीडिया के जरिए दी गयीं। सूत्रों का कहना है कि एयर इंडिया की करीब 36 उड़ानों, इंडिगो की करीब 35 उड़ानों और विस्तारा की 32 उड़ानों को धमकियां मिलीं। एक विमानन कंपनी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, '' 29 अक्टूबर, 2024 को सोशल मीडिया के जरिये एयर इंडिया की कई उड़ानों को धमकियां मिलीं।''

राष्ट्रपति पुतिन ने रूस के परमाणु बलों के व्यापक अभ्यास का आदेश दिया

मास्को/एपी। यूक्रेन को लेकर पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को देश के परमाणु बलों को मिसाइल प्रक्षेपण समेत व्यापक अभ्यास शुरू करने का आदेश दिया। शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान पुतिन ने कहा कि इस अभ्यास में परमाणु-सक्षम बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के प्रक्षेपण का अभ्यास शामिल होगा। यूक्रेन के लिए पश्चिमी देशों के बढ़ते समर्थन के मद्देनजर कई बार परमाणु शक्ति का उल्लेख करने वाले पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि रूस का परमाणु शस्त्रागार ''देश की संप्रभुता और सुरक्षा की विश्वसनीय गारंटी'' बना हुआ है। उन्होंने कहा, ''बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों और उभरते नये खतरों और जोखिमों को ध्यान में रखते हुए, हमारे लिए आधुनिक रणनीतिक बलों का होना महत्वपूर्ण है जो हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहें।''

अगले वर्ष से तीन साल बाद जीएसटी रिटर्न फाइल करने पर होगी पाबंदी

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी रिटर्न को लेकर अगले साल की शुरुआत से नियम में बदलाव हो रहे हैं। इसके तहत 2025 की शुरुआत से जीएसटी करदाता मूल रूप से रिटर्न फाइल करने की नियत तारीख से तीन साल बाद मासिक और वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे। माल एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने मंगलवार को एक परामर्श में यह कहा। इसमें कहा गया है कि जीएसटी बिक्री रिटर्न के अलावा देनदारी के भुगतान, वार्षिक रिटर्न और स्रोत पर कर संग्रह से संबंधित रिटर्न पर नया नियम लागू होगा।

सूर्यास्त 30-10-2024	सूर्योदय 31-10-2024
5:53 बजे	6:13 बजे

BSE	NSE
80,369.03	24,466.85
(+363.99)	(+127.70)

सोना	चांदी
8,200 रु.	102,074 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शुभ दीपावली

जन-जन में जागे भ्रातृत्व भाव,
हो शमित सभी कलुषित विचार।
मंहगाई होवे न्यून शीघ्र,
हा घर हो धन वैभव अपार।
भारत का गौरव मान बढ़े,
प्रतिभाओं में आए निखार।
कवि मण्डेला का मिशन यही,
हों दूर सभी मन के विकार।।

सरकार ऐसी व्यवस्था बनाने पर काम कर रही है जिससे

हर युवा को अवसर मिले : मोदी

■ 51,000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा अब ऐसी व्यवस्था बनाई जा रही है, जिससे हर युवा को अवसर मिले और वे अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकें।

यहां रोजगार मेले के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित एक कार्यक्रम में हाल में चयनित 51,000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद प्रधानमंत्री ने उन्हें संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में रोजगार के नए अवसरों को सृजित करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों और अंतरिक्ष तथा सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों को बढ़ावा देने के अपनी सरकार के प्रयासों के बारे में बात की। मोदी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में नीति और नीयत का अभाव था जिसकी वजह से भारत आधुनिक प्रौद्योगिकियों समेत उभरते क्षेत्रों में दुनिया से पीछे होता जा रहा था। उन्होंने कहा कि तब पुरानी और अनुपयोगी हो चुकी तकनीकों को देश में लाया जाता था। उन्होंने कहा, ''एक मानसिकता मौजूद थी जो मानती थी कि आधुनिक प्रौद्योगिकियां हमारे देश में विकसित नहीं हो सकतीं। इस मानसिकता ने हमें बहुत नुकसान पहुंचाया।''

सर्वसुलभ स्वास्थ्य सेवा सरकार की प्राथमिकता

'राजनीतिक स्वार्थ' के चलते दिल्ली, बंगाल की सरकारें आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं कर रहीं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि स्वास्थ्य सेवा का मजबूत ढांचा तैयार करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिससे प्रत्येक नागरिक को किफायती, उच्च स्तरीय और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध होंगी।

मोदी मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में धन्वंतरि जयंती और नौवें आयुर्वेद दिवस पर स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित 12 हजार 850 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का शुभारंभ, उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवा ढांचा मजबूत करने के लिए पांच स्तंभों को निवारक स्वास्थ्य सेवा, बीमारियों का शीघ्र पता लगाना, मुफ्त और कम लागत वाला उपचार और दवाएं, छोटे शहरों में डॉक्टरों की उपलब्धता और अंत में स्वास्थ्य सेवाओं में प्रौद्योगिकी के विस्तार पर जोर दिया गया है।

मोदी ने कहा कि किसी राष्ट्र की प्रगति उसके नागरिकों के स्वास्थ्य से सीधे जुड़ी होती है। इसलिए नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, भारत स्वास्थ्य क्षेत्र को समग्र स्वास्थ्य के रूप में देख रहा है। उन्होंने कहा कि आज की परियोजनाएं इन पांच स्तंभों की एक झलक प्रदान करती हैं।

प्रधानमंत्री ने श्रमिकों के इलाज के लिए कई अस्पतालों की स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह श्रमिकों के उपचार का केंद्र बनेंगे। उन्होंने फार्मा इकाइयों के उद्घाटन का भी जिक्र किया जो उन्नत दवाओं और उच्च गुणवत्ता वाले स्टेंट और प्रत्यारोपण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी और भारत के विकास को आगे बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि हम में से अधिकांश लोग ऐसे पृष्ठभूमि से आते हैं जहां बीमारी का मतलब पूरे परिवार पर बिजली गिरना होता है और खासकर गरीब परिवार में अगर कोई व्यक्ति गंभीर बीमारी से ग्रस्त हो जाता है, तो परिवार का हर सदस्य बुरी तरह से प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब लोग इलाज के लिए अपना घर, जमीन, गहने, सब कुछ बेच देते थे और भारी खर्च को वहन करने में असमर्थ होते थे, जबकि गरीब लोगों को स्वास्थ्य सेवा और परिवार की अन्य प्राथमिकताओं के बीच चयन करना पड़ता था।

प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र में 12,850 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को 9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर लगभग 12,850 करोड़ रुपए की लागत वाली स्वास्थ्य क्षेत्र से सम्बंधित विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मोदी ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 वर्ष और इससे अधिक आयु के नागरिकों को भी शामिल करने की योजना की शुरुआत भी की। इससे सभी आय वर्गों के वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ होंगी। इस अवसर पर मोदी ने भारत के पहले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। इस चरण में, एक पंचकर्म अस्पताल, औषधि निर्माण के लिए एक आयुर्वेदिक फार्मेसी, एक खेल चिकित्सा इकाई, एक केंद्रीय पुस्तकालय, एक आईटी और स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन सेंटर और 500 सीटों वाला ऑडिटोरियम शामिल है।

सरदार पटेल को भारत रत्न से लंबे समय तक वंचित रखा गया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के देश के प्रति महान योगदान को मिटाने और कम करके दिखाने के प्रयास किए गए तथा उन्हें लंबे समय तक भारत रत्न से वंचित रखा गया।

शाह ने पटेल की जयंती से पहले 'रन फॉर यूनिटी' दौड़ को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि यह देश के प्रथम गृह मंत्री की दूरदर्शिता तथा सूझबूझ के कारण ही संभव हो सका कि 550 से अधिक रियासतों का भारत संघ में विलय हुआ और देश एकजुट हुआ। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के प्रयासों से ही लक्षद्वीप, जूनागढ़, हैदराबाद और अन्य सभी रियासतों का भारत में विलय हुआ। शाह ने यहां मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''लेकिन देश के लिए सरदार पटेल के महान योगदान को मिटाने और कम करके दिखाने के प्रयास किए गए। उन्हें भारत रत्न से भी लंबे समय तक वंचित रखा गया।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केवड़िया में पटेल की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित की और उन्हें उचित सम्मान दिया तथा उनकी स्मृति को जीवित रखा है। शाह ने कहा कि सरदार पटेल के दृष्टिकोण, विचारों और हर क्षेत्र में संदेश को प्रधानमंत्री मोदी ने मूर्त रूप दिया है।

जन्म, मृत्यु पंजीकरण के लिए मोबाइल ऐप जारी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जन्म और मृत्यु के निर्बाध और परेशानी मुक्त पंजीकरण के लिए एक मोबाइल ऐप मंगलवार को पेश किया। भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त द्वारा तैयार किए गए नागरिक पंजीकरण प्रणाली मोबाइल ऐप से जन्म और मृत्यु के पंजीकरण में लगने वाले समय में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।

सरकार ने फार्मा कंपनियों को दिया

कैंसर के इलाज की तीन दवाओं के दाम घटाने का निर्देश

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने दवा कंपनियों से कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली तीन दवाओं की कीमतें कम करने को कहा है ताकि सीमा शुल्क छूट और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा सके। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने एक कार्यालय ज्ञापन जारी कर संबंधित दवा निर्माताओं को तीन कैंसर रोधी दवाओं- ट्रैस्टुजुमैब, ओसिमर्टिनिब और डर्वालुमैब के लिए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) कम करने का निर्देश दिया है। सरकार ने यह कदम जीवनरक्षक दवाओं की किफायती कीमतों पर उपलब्धता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप उठाया है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह कदम वित्त वर्ष 2024-25 के आम बजट में की गई घोषणा का अनुपालन करता है।

बदलते भू- राजनीतिक खतरों को देखते हुए

चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहे सेना : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि सेना को तेजी से बदल रहे जटिल भू- राजनीतिक खतरों को देखते हुए चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। डॉ.जयशंकर कहा कि सेना को मौजूदा विश्व व्यवस्था के विरोधाभासों और चुनौतियों से निपटने की योजना पर काम करना होगा।

विदेश मंत्री ने आज यहां सेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन के दूसरे चरण के समापन अवसर पर 'भारतीय सशस्त्र बलों के लिए उभरता भू-राजनीतिक परिदृश्य और अवसर' विषय पर अपने संबोधन में यह बात कही। सम्मेलन में सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने सीमा सुरक्षा और भीतरी इलाकों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण रणनीतिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

डॉ. जयशंकर ने भारत को प्रभावित करने वाली जटिल वैश्विक और भू-राजनीतिक गतिशीलता का उल्लेख किया। उन्होंने सशस्त्र बलों से देश की अपेक्षाओं और वर्तमान विश्व व्यवस्था के विरोधाभासों और चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय सेना को सतर्क रहने के लिए सराहना की और वरिष्ठ अधिकारियों से तेजी से विकसित हो रहे भू-राजनीतिक खतरों और अवसरों के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। उन्होंने भारत की रणनीतिक स्थिति को आकार देने में तकनीकी प्रगति और वैश्विक संघर्षों से सीखे गए सबक के महत्व पर जोर दिया।

केरल के मंदिर में उत्सव के दौरान दुर्घटना में 150 से अधिक लोग घायल

कासरगोड जिला पुलिस प्रमुख डी. शिल्पा ने आग लगने की घटना की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की घोषणा की है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

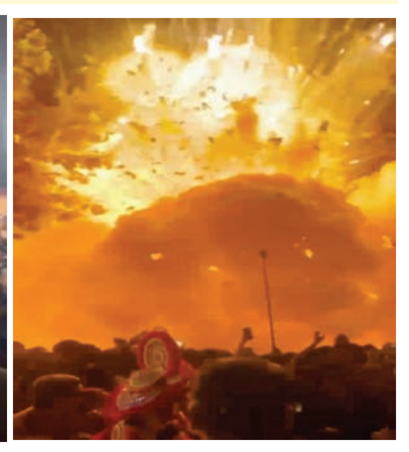

कासरगोड (केरल)/भाषा। केरल के कासरगोड जिले में नीलेश्वरम के निकट एक मंदिर में तेय्यम नृत्य के दौरान सोमवार देर रात आग लगने से 154 लोग घायल हो गए, जिनमें से आठ की हालत गंभीर है। आग लगने की यह घटना पास ही एक स्थान में रखे पटाखों में विस्फोट के कारण हुई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

कासरगोड जिला पुलिस प्रमुख डी. शिल्पा ने आग लगने की घटना की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की घोषणा की है।

जिला प्रशासन ने कहा कि अतिरिक्त संभागीय मजिस्ट्रेट को घटना की अलग से जांच करने और रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना कासरगोड जिले में नीलेश्वरम के पास अंजुत्तनबलम वीरेरकावु मंदिर में हुई। नीलेश्वरम पुलिस ने विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''इस घटना के संबंध में आठ लोगों पर मामला दर्ज किया गया है और चार लोगों को हिरासत में लिया गया है।'' पुलिस ने आशंका जताई कि सुरक्षा नियमों एवं दिशानिर्देशों का पालन किए बिना ही आतिशबाजी की गई थी।

पुलिस ने पहले कहा था कि जिन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है वे सभी मंदिर समिति के सदस्य हैं, लेकिन बाद में उसने स्पष्ट किया कि उनमें से एक स्थानीय व्यक्ति है जो पटाखे जला रहा था।

यह घटना ऐसे समय में हुई, जब मंदिर में तेय्यम देखने के लिए महिलाओं और बच्चों समेत सैकड़ों लोग जमा हुए थे।

तेय्यम केरल के मालाबार (उत्तरी केरल) क्षेत्र के मंदिरों और 'कावु' (पवित्र उपवनों) में आयोजित किया जाने वाला सदियों पुराना अनुष्ठान है।

हिजबुल्ला ने नईम कासिम को अपना नया नेता चुना

बेरूत/एपी। लेबनान के हिजबुल्ला चरमपंथी समूह ने नईम कासिम को अपना नया नेता चुना है, जो पिछले महीने एक इजराइली हवाई हमले में मारे गए हसन नसरल्ला की जगह लेगा। हिजबुल्ला ने यह जानकारी की।

कासिम लंबे समय से नसरल्ला का सहायक था और उसकी मौत के बाद से वह इस चरमपंथी समूह के कार्यवाहक नेता के रूप में काम कर रहा है। समूह ने एक बयान में बताया कि हिजबुल्ला की निर्णय लेने वाली 'शूरा परिषद' ने तीन दशक से अधिक समय तक नसरल्ला के उपनेता रहे कासिम को नया महासचिव चुना है।

हिजबुल्ला ने नसरल्ला की नीतियों को तब तक जारी रखने का संकल्प लिया ''जब तक जीत हासिल नहीं हो जाती।''

यूएनआरडब्ल्यूए को रोकने वाले दो विधेयकों को इजराइल की मंजूरी

■ इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी पर उन सदस्यों को लेकर आंखें मूंदने का आरोप लगाया है जिन्हें लेकर वह दावा करता है कि वे हमास से जुड़े हैं और सैन्य मकसद से यूएनआरडब्ल्यूए की सुविधाओं का इस्तेमाल करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। इजराइल की संसद ने दो विधेयक पारित किए हैं जो संयुक्त राष्ट्र की फलस्तीनी शरणार्थियों से संबंधित एजेंसी को गाजा में सहायता प्रदान करने से रोक सकते हैं। इन कानूनों में फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) को सहायता आपूर्ति से रोकने के प्रावधान हैं और ये एजेंसी तथा इजराइल की सरकार के बीच सारे संबंधों को तोड़ सकते हैं।

यह एजेंसी के खिलाफ लंबे समय से चल रहे अभियान का नतीजा है, जिसके बारे में इजराइल का कहना है कि इसमें हमास ने घुसपैठ की है। लेकिन एजेंसी के समर्थकों का कहना है कि इजराइल का असली उद्देश्य फलस्तीनी शरणार्थियों के मुद्दे को दरकिनार करना है। यह एजेंसी गाजा में सहायता प्रदान करने वाली प्रमुख संस्था है और वेस्ट बैंक समेत क्षेत्र में रह रहे लाखों फलस्तीनी शरणार्थियों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सेवाएं प्रदान करती है।

एजेंसी के प्रमुख महाआयुक्त फिलिप लाजारिनी ने विधेयकों पर मतदान के बाद 'एक्स' पर इस कदम को अभूतपूर्व करार दिया और कहा कि ये विधेयक ''केवल फलस्तीनियों की पीड़ा, खासतौर पर गाजा में उनकी परेशानियों को बढ़ाएंगे जहां लोग एक साल से अधिक समय से बुरी हालत में हैं।''

इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी पर उन सदस्यों को लेकर आंखें मूंदने का आरोप लगाया है जिन्हें लेकर वह दावा करता है कि वे हमास से जुड़े हैं और सैन्य मकसद से यूएनआरडब्ल्यूए की सुविधाओं का इस्तेमाल करते हैं।

इजराइल ने कहा कि गाजा में उसके 13,000 कर्मचारियों में से करीब 12 ने सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिण इजराइल पर हमले में भाग लिया था।

वक्फ भूमि विवाद : किसी भी किसान को बेदखल नहीं किया जाएगा : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि विजयपुरा जिले में किसी भी किसान को उसकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा तथा उन्हें जारी किए गए नोटिस वापस ले लिए जाएंगे। विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग ने आरोप लगाया है कि उनकी जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''किसी भी किसान को उसकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा। कल राजस्व मंत्री (कृष्णा बायरे गौड़ा), एम बी पाटिल (उद्योग मंत्री और विजयपुरा जिले के प्रभारी मंत्री) और वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान ने संयुक्त रूप से कहा है कि विजयपुरा के किसी भी किसान को उसकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यदि किसानों को नोटिस जारी किए गए हैं तो उन्हें वापस ले लिया जाएगा।

यादगीर और धारवाड़ जिलों में भी किसानों को इसी तरह के नोटिस जारी किए जाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, मैं राजस्व मंत्री से इस पर गौर करने को कहूंगा, कहीं भी किसानों को बेदखल नहीं किया जाएगा। टिकोटा तालुक के होनावडा में 1,200 एकड़ जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किए जाने को लेकर भ्रम को स्पष्ट करने की कोशिश करते हुए, उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने हाल में कहा था कि यह एक त्रुटि के कारण था। उन्होंने यह भी कहा था कि 1,200 एकड़ में से सिर्फ 11 एकड़ ही वक्फ संपत्ति है और मुद्दों को सुलझाने के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में एक कार्य बल का गठन किया जाएगा।

इस बीच पाटिल ने मंगलवार को भाजपा पर गलत सूचना के जरिए फर्जी हिंदू प्रेम का प्रचार करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि वक्फ बोर्ड ने 2019 से 2022 के बीच विजयपुरा जिले में किसानों को नोटिस भेजे थे, जब भाजपा सत्ता में थी। पाटिल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भाजपा शासन के दौरान जारी किए गए नोटिसों की प्रतियां पोस्ट की तथा विपक्षी दल की आलोचना करते हुए कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान राज्य के विकास पर ध्यान देने के बजाय विभाजनकारी राजनीति में लिप्त रही। मंत्री ने कहा, उन्होंने (भाजपा ने) सत्ता में रहते हुए हिजाब, हलाल और 'उरीगौड़ा-नंजेगौड़ा' जैसे मुद्दों पर लोगों को गुमराह किया और अब वे उसी हथकंडे को जारी रखे हुए हैं। मनगढ़ंत विमर्श के ज़रिए जनता को गुमराह करने की उनकी कोशिशें अब कामयाब नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वक्फ मुद्दे पर अपनी तथ्यान्वेषी समिति का पुनर्गठन किया है, जिसे शुरू में पार्टी अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने पार्टी नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल की तीखी आलोचना के बाद गठित किया था। एम बी पाटिल ने कहा कि यतनाल और सांसद रमेश जिगाजिनागी को समिति में शामिल करना दिखावटी प्रतीत होता है, जो पार्टी के भीतर आंतरिक संघर्ष को दर्शाता है। उन्होंने भाजपा को चुनौती दी कि वह स्पष्ट करे कि उसकी सरकार के दौरान किसानों को नोटिस क्यों जारी किए गए।

इससे पहले दिन में विजयेंद्र ने संवाददाताओं से बातचीत में भाजपा पर राजनीति करने का आरोप लगाने को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, किसानों की पुश्तैनी जमीन को अचानक वक्फ की संपत्ति बता दिया गया, किसान सड़कों पर उतर आएंगे, उन्हें क्या करना चाहिए....कांग्रेस अल्पसंख्यकों को खुश करने और धर्म के नाम पर देश को बांटने में लगी है, वे यह काम लंबे समय से करते आ रहे हैं। वे ज़मीर अहमद खान (वक्फ मंत्री) के नेतृत्व में राज्य में आग भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। विजयेंद्र ने दावा किया कि मंत्री ने खुद स्वीकार किया है कि 120 किसानों को नोटिस जारी किए गए थे। उन्होंने कहा, अगर भाजपा ने इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया होता तो किसान सड़कों पर उतर आते। जब हमने यह मुद्दा उठाया तो उन्होंने कार्य बल का गठन किया और किसानों से उपायुक्त से संपर्क करने को कहा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल के नेतृत्व में पार्टी द्वारा गठित एक टीम विजयपुरा जिले में पहुंच गई है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी कांग्रेस सरकार और ज़मीर अहमद खान पर निशाना साधा और अनवर मनप्पादी रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया है कि कई कांग्रेस नेता वक्फ संपत्ति को अपना बताकर करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। उन्होंने किसानों को नोटिस जारी करने वाले तहसीलदारों को निलंबित करने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। जोशी ने कहा, ''इस देश में जो कुछ हो रहा है, उस पर कोई भी कुछ भी दावा कर सकता है। मेरी निजी राय है कि वक्फ कानून को हटा देना चाहिए, लेकिन मोदी सरकार इसमें सकारात्मक बदलाव ला रही है।'' जनता दल (एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने रामनगर में कहा कि वक्फ संपत्ति के नाम पर सरकारी या किसानों की जमीन की लूट के बारे में सच्चाई सामने आनी चाहिए।

केंद्र देश को विनिर्माण केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत : किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र बड़े पैमाने पर सरकारी भर्तियां करने के साथ ही देश को विनिर्माण केंद्र बनाने के अपने प्रयास के तहत युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने यहां आयोजित 'रोजगार मेला' में अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाला केंद्र मिशन के तौर पर सरकार में खाली पदों को भर रहा है। उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम पिछले वर्ष से आयोजित इस तरह की श्रृंखला का 10वां कार्यक्रम है और अब तक लगभग नौ लाख युवाओं को सरकारी कार्यक्रमों में नियुक्ति पत्र सौंपे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में सीधी भर्ती के अलावा निजी क्षेत्र में तथा 'आउटसोर्स' के आधार पर लाखों युवाओं को अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 'स्टार्ट अप इंडिया', मुद्रा ऋण, स्वनिधि योजना और स्वयं सहायता समूह के लिए ऋण जैसे केंद्र सरकार के कार्यक्रमों और योजनाओं के माध्यम से भी रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। रेड्डी ने कहा, ''... दो तरह की गतिविधियां हो रही हैं। एक, सरकारी रिक्तियों को भरना। (दूसरा) हमारा लक्ष्य विदेशों से आयात कम करके और देश के भीतर उत्पादन बढ़ाकर देश को विनिर्माण केंद्र बनाकर रोज़गार के अवसर पैदा करना है।'' उन्होंने कहा कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों से अपील की जा रही है कि वे विदेशों में उत्पादन करने के बाद देश में उत्पाद लाने के बजाय युवाओं को आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए भारत में विनिर्माण करें। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने कभी देश को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य नहीं रखा था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य निर्धारित किया है।

देश की प्रगति के लिए राजग सरकार की उपलब्धियों और पहल पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने 75 देशों को रक्षा निर्यात, स्वदेशी तकनीक से बनी वंदे भारत ट्रेन, रक्षा और औद्योगिक गलियारों की स्थापना का उदाहरण दिया। उन्होंने यह भी कहा कि देश में आतंकवादी गतिविधियों पर लगाम लगी है और जम्मू-कश्मीर में कुछ जगहों को छोड़कर अब ऐसी घटनाएं सामने नहीं आती हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कार्यक्रम में 180 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

थोक कारोबार के लिए आयकर विभाग ने 'सहनशीलता' दायरा अधिसूचित किया

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अंतरराष्ट्रीय और निर्दिष्ट घरेलू लेनदेन के दौरान 'आर्म्स लेंथ' मूल्य और हस्तांतरण कीमत (ट्रांसफर प्राइसिंग) के बीच अंतर के लिए 'सहनशीलता' दायरे को अधिसूचित कर दिया है।

आयकर विभाग का नियमन करने वाले केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बयान में कहा कि सहनशीलता दायरे को पिछले साल की ही तरह 'थोक कारोबार' के लिए एक प्रतिशत और अन्य सभी करदाताओं के लिए तीन प्रतिशत रखा गया है।

'थोक कारोबार' को कुछ शर्तों के अधीन वस्तुओं के व्यापार के एक अंतरराष्ट्रीय लेनदेन या निर्दिष्ट घरेलू लेनदेन के तौर पर परिभाषित किया जाएगा। सीबीडीटी ने कहा, ''सहनशीलता दायरे की अधिसूचना जारी होने से करदाताओं को निश्चितता मिलेगी और ट्रांसफर प्राइसिंग में लेनदेन के मूल्य निर्धारण से जुड़े जोखिम की धारणा में कमी आएगी।'' 'सहनशीलता दायरे' का मतलब है कि थोक कारोबार के लिए आर्म्स लेंथ मूल्य अगर लेनदेन मूल्य से एक प्रतिशत और अन्य करदाताओं के लिए तीन प्रतिशत तक अलग है तो आर्म्स लेंथ मूल्य ही लेनदेन का मूल्य होगा।

कर कानूनों के तहत हस्तांतरण मूल्य का निर्धारण संबंधित कंपनियों के बीच आदान-प्रदान वाली वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य निर्धारण को दर्शाता है। वहीं आर्म्स लेंथ मूल्य का आशय उस मूल्य से है जो संबंधित पक्षों के अलावा अन्य संस्थाओं के बीच लेनदेन में भी समान रूप से लागू होता है।

क्या आप राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए परिवार तोड़ देंगे? पवार ने भतीजे अजित पर साधा निशाना

बारामती/भाषा। राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने अपने भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए परिवार को तोड़ने का मंगलवार को आरोप लगाया।

बारामती के पास कन्हेरी शहर में अपने पोते और राकांपा (एसपी) प्रत्याशी युगेंद्र पवार के समर्थन में प्रचार करते हुए शरद पवार ने अजित की नकल की, जो एक दिन पहले क्षेत्र में आयोजित एक रैली में युगेंद्र की उम्मीदवारी को लेकर भावुक हो गए थे। शरद पवार भाषण के बीच में रूमाल निकालकर आंसू पोंछने का नाटक करने लगे, जिसे देख रैली में मौजूद लोग हंस पड़े। सोमवार को बारामती में एक रैली के दौरान अजित पवार ने युगेंद्र की उम्मीदवारी की तरफ इशारा करते हुए कहा था कि बड़े-बुजुर्गों को यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि बारामती का चुनावी समर पारिवारिक लड़ाई में न तब्दील हो। शरद पवार ने कहा, मेरे माता-पिता और भाइयों ने मुझे कभी भी घर (परिवार) तोड़ने का पाप नहीं सिखाया। उन्होंने कहा, लोगों ने बहुत समय पहले मुझे महाराष्ट्र का नेतृत्व करने का जिम्मा सौंपा था। मैं अब एक संरक्षक हूं और मैंने पार्टी से जुड़े मामले नई पीढ़ी को सौंप दिए हैं। राजनीति की दुनिया की अनिश्चितताओं को रेखांकित करते हुए राकांपा (एसपी) प्रमुख ने कहा कि खुद के लिए सत्ता हासिल करने के फेर में किसी को भी अपने सहयोगियों का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। दुर्भाग्य से जब हम (अविभाजित राकांपा) सत्ता में नहीं थे, तब हमारे कुछ सहयोगी सुबह उठे और अचानक शपथ ले ली। वह सरकार चार दिन भी नहीं चली।

गुजरात के पत्रकार के नियंत्रण वाली कंपनी जीएसटी 'धोखाधड़ी' मामले में शामिल : ईडी

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को दावा किया कि गुजरात के एक पत्रकार उस आरोपी कंपनी को 'नियंत्रित' कर रहे थे जिसके परिसर से राज्य पुलिस ने हाल ही में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 'धोखाधड़ी' मामले की जांच के दौरान बेहिसाबी नकदी जब्त की थी।

संघीय जांच एजेंसी ने कहा कि उसने इस धन शोधन मामले में रविवार को नए सिरे से तलाशी ली और अहमदाबाद, सूरत और भावनगर में सात परिसर में छापेमारी कर 'आपत्तिजनक' दस्तावेज जब्त किए। ईडी के अनुसार, पत्रकार महेश लांगा 'डीए एंटरप्राइजेज' कंपनी को नियंत्रित कर रहे थे, जिसके परिसर से पुलिस ने 'बड़ी मात्रा में बेहिसाबी नकदी' जब्त की थी। ईडी ने आरोप लगाया कि शेल (मुखौटा) कंपनियों के साथ कई बेनामी लेनदेन किये जाने का भी संदेह है। धन शोधन का मामला अहमदाबाद पुलिस की अपराध शाखा की एक प्राथमिकी पर आधारित है जो 'संगठित अपराधियों के एक समूह द्वारा 200 से अधिक शेल कंपनियों के निर्माण' के खिलाफ जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की एक शिकायत पर दर्ज किया गया था। इन कंपनियों के निर्माण का उद्देश्य कोई सामान या सेवा उपलब्ध कराए बिना फर्जी चालान के आधार पर धोखाधड़ी से इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) प्राप्त करना और इसे दूसरों को उपलब्ध कराना था। इस मामले में मुख्य आरोपी कंपनी 'ध्रुवी एंटरप्राइजेज' है।

फर्जी कॉल, एसएमएस पर लगाम के सख्त नियमन जनवरी तकः लाहोटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने उम्मीद जताई है कि फर्जी कॉल एवं संदेशों पर लगाम लगाने से संबंधित परामर्श पत्र पर व्यापक चर्चा के बाद नियमनों को जनवरी तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इसके साथ ही लाहोटी ने कहा कि दूरसंचार विभाग के हालिया संदर्भ के आधार पर ट्राई टेलीमार्केटिंग कंपनियों के लिए नियामकीय ढांचे से संबंधित परामर्श पत्र को भी तैयार और जारी करेगा।

दूरसंचार नियामक के प्रमुख ने कहा कि फर्जी यानी स्पैम कॉल और दुर्भावनापूर्ण/धोखाधड़ी वाले संदेशों से निपटने के लिए नियामक ने पिछले महीनों में जो कदम उठाए हैं वे महत्वपूर्ण हैं और प्रणाली को साफ-सुथरा बनाएंगे। उन्होंने कहा कि 'अभी और काम करने की जरूरत है।' लाहोटी ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, ''स्पैम कॉल एवं संदेशों पर हमारा परामर्श पत्र अगस्त के अंत में जारी किया गया था। हमें इसपर पहले ही टिप्पणियां मिल चुकी हैं और अब हम इनका विश्लेषण करेंगे और एक खुली चर्चा करेंगे। नियमों को अंतिम रूप देने में तीन महीने लगेंगे। इसलिए जनवरी के आसपास हम स्पैम पर अंकुश लगाने के लिए अद्यतन नियमन लेकर आएंगे।'' ट्राई ने अगस्त में परामर्श पत्र जारी कर हितधारकों से यह पूछा था कि क्या एक निश्चित सीमा से अधिक कॉल और एसएमएस के लिए ऊंचे शुल्क का प्रावधान रखा जा सकता है। परामर्श पत्र में नियामक ने कहा कि 50 से अधिक कॉल करने वाले या प्रतिदिन 50 एसएमएस भेजने वाले दूरसंचार ग्राहकों की गणना संभावित परेशान कॉलर के रूप में की जानी चाहिए। फिलहाल दूरसंचार सेवा प्रदाता ग्राहकों को असीमित कॉल के साथ कई प्लान की पेशकश करते हैं। ट्राई को ऐसा महसूस हुआ कि अलग-अलग शुल्क होने से बिना पंजीकरण वाले टेलीमार्केटर भी 10 अंक की संख्या का इस्तेमाल कर वाणिज्यिक संचार कर सकते हैं।

आरआर पाटिल ने कथित सिंचाई घोटाले में खुली जांच का आदेश देकर मेरी पीठ में छुरा घोंपा था : अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को आरोप लगाया कि उनके करीबी सहयोगी और तत्कालीन गृहमंत्री आरआर पाटिल ने कई करोड़ रुपए के कथित सिंचाई घोटाले में उनके खिलाफ खुली जांच का आदेश देकर पीठ में छुरा घोंपा था।

पवार ने दावा किया कि जांच का आदेश देने वाली पाटिल की टिप्पणी का उल्लेख करने वाली एक फाइल उन्हें 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री बनने के बाद दिखाई थी। उन्होंने ये दावे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) उम्मीदवार संजय काका पाटिल के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए किए। काका पाटिल सांगली जिले की तासगांव सीट से दिवंगत नेता आरआर पाटिल के बेटे रोहित के खिलाफ मैदान में हैं। पवार ने दावा किया, ''सिंचाई घोटाले में मेरे खिलाफ आरोप लगाए गए। मुझे बदनाम करने की कोशिश की गई। सिंचाई परियोजना में 70,000 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाने का फैसला किया गया। परियोजना में वेतन का कुल खर्च 42,000 करोड़ रुपए था, जबकि 70,000 करोड़ रुपए की अनियमितता का आरोप लगाया गया।'' राकांपा प्रमुख ने कहा कि परियोजना के लिए वास्तविक व्यय 43,000 करोड़ रुपए था, लेकिन 70,000 करोड़ रुपए का घोटाला दिखाने के लिए मामला बनाया गया।

कांग्रेस ने माधवी बुच पर फिर लगाया हितों के टकराव का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच पर मंगलवार को एक बार फिर हितों के टकराव का आरोप लगाया और दावा किया कि उन्होंने एक ऐसी कंपनी को अपनी संपत्ति पर किराये पर दी जो इस नियामक संस्था की जांच के दायरे में है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि देश में 'एकाधिकार बचाओ सिंडिकेट' सक्रिय है जिसके मूल में अदाणी समूह, प्रमुख नियामक संस्थाएं तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच की 'खतरनाक सांठगांठ' है। मुख्य विपक्षी दल का आरोप है कि बुच ने अपनी संपत्ति 'इंडियाबुल्स' समूह से जुड़े एक व्यक्ति से संबंधित कंपनी को किराये पर दे दी, जबकि यह कंपनी सेबी की जांच के दायरे में थी।

आरोपों पर बुच या अदाणी समूह की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस की तरफ से पहले लगाए गए आरोपों को बुच और अदाणी समूह ने खारिज किया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पोस्ट किया, ''नरेन्द्र मोदी जी, आप अपने द्वारा नियुक्त अध्यक्ष के अधीन सेबी में पैदा हुई समस्या को छिपा नहीं सकते। आपने वर्षों की मेहनत से बनाई भारत के बाजार नियामक सेबी की पवित्रता को नष्ट कर दिया है, जिससे करोड़ों छोटे और मध्यम निवेशकों की बचत खतरे में पड़ गई है।'' उन्होंने दावा किया कि यह इस बात को भी उजागर करता है कि प्रधानमंत्री ने ''प्रिय मित्र'' अदाणी के लिए एकाधिकार कैसे बनाया।

दस लाख से कम कीमत वाली कारों की बिक्री घटना चिंता का कारण: भार्गव

नई दिल्ली/भाषा। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के चेयरमैन आर सी भार्गव ने मंगलवार को कहा कि 10 लाख रुपए से कम कीमत वाली कारों की बिक्री घटना चिंता का विषय है। एक समय कुल बिक्री में इन कारों की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत होती थी, लेकिन अब यह लगातार घट रही है। उन्होंने कहा कि इसका कारण लोगों के पास खर्च योग्य आय का कम होना है।

भार्गव ने कहा, ''कुल मिलाकर इस खंड में बिक्री में कमी के कारण कार बाजार में समग्र वृद्धि नहीं हो रही है। बाजार में इस स्तर में वृद्धि को वापस लेने के लिए लोगों के पास अधिक खर्च योग्य आय की आवश्यकता है। हालांकि, कंपनी को उम्मीद है कि त्योहारों के दौरान कुल खुदरा बिक्री में 14 प्रतिशत की वृद्धि होगी।'' उन्होंने तिमाही नतीजों पर संवाददाताओं से 'कॉन्फ्रेंस कॉल में कहा, '' सचाई यह है कि 10 लाख रुपए से कम के दाम वाली कारों का बाजार नहीं बढ़ रहा है। वास्तव में, यह घट रहा है। यह चिंता की बात है क्योंकि जब तक बाजार के इस खंड में वृद्धि नहीं होती, समग्र वृद्धि पर असर होगा।''

बोतल तोड़कर फेंकने की कोई मंशा नहीं थी: कल्याण बनर्जी

नई दिल्ली/भाषा। वक्फ विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति की बैठक से एक दिन के लिए निलंबित किए गए तृणमूल कांग्रेस के सदस्य कल्याण बनर्जी ने कहा कि पिछले सप्ताह समिति की बैठक में भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय ने उन्हें उकसाया और कांच की बोतल फोड़कर फेंकने की उनकी मंशा नहीं थी। बनर्जी ने कहा, ''मैंने बैठक में कहा था कि समिति के अध्यक्ष पर इसे (टूटी बोतल) फेंकने की मेरी कोई मंशा नहीं थी और मुझे खेद है।'' वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति की बैठक में बनर्जी ने कांच की बोतल तोड़कर समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल की ओर फेंक दी थी। इसके बाद उन्हें समिति की बैठक से एक दिन के लिए निलंबित कर दिया था। भाजपा सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिख तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य को सदन से निलंबित करने और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। उस दिन के घटनाक्रम पर पहली बार सार्वजनिक रूप से अपना पक्ष रखते हुए बनर्जी ने कहा कि वह 22 अक्टूबर को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति की बैठक में गंगोपाध्याय को उनके आरोपों और व्यक्तिगत हमलों पर जवाब देने के लिए मजबूर थे। टीएमसी नेता ने आरोप लगाया, ''जब गंगोपाध्याय बोल रहे थे, तो मैंने उनसे सवाल किया। फिर उन्होंने मेरे और मेरे परिजनों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। मैंने जवाब दिया लेकिन उन्होंने अभद्र भाषा का इस्तेमाल जारी रखा...।''

दुनिया में कच्चे तेल की कोई कमी नहीं, देश में रिफाइनरी की पर्याप्त क्षमता : पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि दुनिया में कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है और घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए देश में पर्याप्त रिफाइनरी क्षमता है।

पुरी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव का जिक्र करते हुए कहा कि यह उनका व्यक्तिगत आकलन है कि जल्दी ही चीजें सामान्य हो जाएंगी। यह हर किसी के हित में है कि चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की की अनुमति नहीं दी जाए क्योंकि इससे हर कोई प्रभावित होगा। उन्होंने यहां 'रोजगार मेला' को लेकर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अलग से बातचीत में कहा, ''दुनिया में कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है।'' पुरी ने कहा, ''इन सभी गतिविधियों से पहले, दुनिया में उत्पादित कच्चे तेल की कुल मात्रा प्रतिदिन 10.5 करोड़ बैरल के करीब थी। तेल निर्यातक देशों के संगठन और उसके सहयोगी देशों (ओपेक प्लस) ने स्वेच्छा से लगभग 50 लाख बैरल (प्रतिदिन) की कटौती की है। उन्होंने कहा, ''अगर आप उनसे बात करेंगे, तो वे कहेंगे कि कीमतों से निपटने का काम उनका नहीं है। लेकिन अगर आप बाजार में आने वाली मात्रा को

सीमित करते हैं तो आप स्पष्ट रूप से कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं। उत्पादन कटौती से मात्रा घटकर 9.7 करोड़ बैरल पर आ गई है।''

पुरी ने कहा, ''फिर वैश्विक स्तर पर तनाव है। अगर किसी खास क्षेत्र में तनाव है तो उसका तेल पर क्या असर होगा...इससे माल ढुलाई की लागत बढ़ जाती है, बीमा की लागत बढ़ जाती है।'' उन्होंने कहा, ''आप तेल की कीमतों की गणना कैसे करते हैं? कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत में आप बीमा लागत, माल ढुलाई की लागत, रिफाइनरी मार्जिन और डीलर का मार्जिन जोड़ते हैं।''

मंत्री ने कहा, ''और इस सब में हमारे यहां अब भी दुनिया में पेट्रोल और डीजल की सबसे कम कीमतों में से एक है। इसका कारण है कि दो मौकों पर नवंबर, 2021 और मई, 2022 में सरकार ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क कम किया है।'' उन्होंने कहा, ''आज तेल की कोई कमी नहीं है। ईरान, इजराइल समेत तमाम तनावों के बाद भी आज तेल की कीमतें 72-73 डॉलर प्रति बैरल के आसपास होनी चाहिए। बाजार इन चीजों को ध्यान में रख रहा है।''

पुरी ने यह भी कहा कि भारत में रिफाइनिंग क्षमता की भी कोई कमी नहीं है।

मंत्री ने कहा, ''बाजार में पर्याप्त कच्चा तेल उपलब्ध है, पर्याप्त रिफाइनरी क्षमता है और हमारे पास बहुत अच्छा वितरण नेटवर्क है। उनके साथ हमारी बहुत अच्छी व्यवस्था है। इसीलिए इस मामले में आशंका वाली कोई बात नहीं है।''

पुरी ने कहा कि बाजार में नया तेल आ रहा है। ब्राजील को प्रतिदिन 4,00,000 बैरल अतिरिक्त तेल मिल रहा है। अमेरिका बाजार में और अधिक तेल ला सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
PURVA BLUBELLE
Adjacent to Magadi road Metro station
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

‘रन फॉर यूनिटी में दौड़े दिग्गज, विजयेन्द्र ने कहा, लौह पुरुष सबके आदर्श

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लौह पुरुष सरदार पटेल की जयंती सप्ताह में कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में रन फॉर यूनिटी’ का आयोजन किया गया। इस दौड़ में राज्य भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और विपक्ष के नेता आर. अशोक ने भी हिस्सा लिया। दौड़ के शुरू होने से पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने कहा, हम ‘कर्नाटक रन फॉर यूनिटी’ का आयोजन कर रहे हैं। दो दिन पहले, प्रधानमंत्री ने संदेश दिया था कि पूरे भारत में, हम ऐसा कर रहे हैं क्योंकि सरदार वल्लभभाई पटेल, राष्ट्र नेता, लौह पुरुष देश के आदर्श हैं। इसलिए हम सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्मदिन मना रहे हैं। सरदार पटेल का मतलब ही एकता है। सरदार वल्लभभाई पटेल की वजह से पूरा भारत एक भारत बना। वह भारत के सबसे बड़े नेता हैं।

विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने कहा, यह देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री, लौह पुरुष और भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए आह्वान से संभव हुआ है। इस देश के हर युवा को सरदार वल्लभ भाई पटेल के बलिदान को याद रखना चाहिए। वे एक ऐसे महान नेता हैं जो इस देश की एकता और अखंडता के लिए दृढ़ता से खड़े रहे।

इसलिए उनकी याद में हमारे प्रधानमंत्री ने यह आह्वान किया है और हमने एकता के लिए दौड़ लगाने की अपील की है। दरअसल, हमें 31 सितंबर को जश्न मनाना था। लेकिन चूंकि दीपावली है इसलिए प्रधानमंत्री जी ने इस दिन जश्न मनाने का आह्वान किया।

इसके बाद उन्होंने राज्य कांग्रेस पार्टी द्वारा उन पर लगाए गए आपसी झगड़े के आरोप पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, पार्टी के अंदरूनी मुद्दे अलग हैं, जो अलग से निपटेंगे। लेकिन बात यह है कि जब गरीब किसान 50, 100 सालों से इन जमीनों पर खेती कर रहे हैं, तो नौकरशाहों को किसानों को नोटिस जारी करने की क्या जरूरत थी? और दस्तावेजों में साफ तौर पर कई जमीनों के नाम दर्ज हैं। इसे वर्क प्रॉपर्टी बताया गया है। अचानक यह मुद्दा क्यों आया? यह सिर्फ सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के साथ फैली गंदी राजनीति के कारण है। इसलिए, हमारी कानूनी टीम, हमारे विशेषज्ञों की टीम, आज ही बीजापुर पहुंच चुकी है। वे पूरे बीजापुर जिले में यात्रा करेंगे, सभी परेशान किसानों से मिलेंगे।

आंतरिक आरक्षण पर कांग्रेस सरकार ईमानदार नहीं, राजनीति के लिए कर रही मुद्दे का इस्तेमाल : विजयेंद्र

बेंगलूरु/दक्षिण। भारत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या अनुसूचित जातियों के बीच आंतरिक आरक्षण पर ईमानदार नहीं हैं और तीन विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों से पहले इस मुद्दे का इस्तेमाल केवल राजनीति के लिए करने की कोशिश कर रहे हैं। कर्नाटक सरकार के मंत्रिमंडल ने सोमवार को अनुसूचित जातियों (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण देने के लिए अपनी सहमति दी और उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अगुवाई में एक आयोग गठित करने का फैसला किया जो आंकड़े एकत्रित करेगा।

आंतरिक आरक्षण पर एक प्रश्न का जवाब देते हुए विजयेंद्र ने कहा, यदि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या आंतरिक आरक्षण के बारे में तथा कंथराज रिपोर्ट (सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण, जिसे जातीय जनगणना के नाम से जाना जाता है) पर गंभीर होते, तो वह बहुत पहले ही कार्रवाई कर चुके होते, लेकिन सिद्दरामय्या और कांग्रेस पार्टी केवल राजनीतिक लाभ लेने और इस विशेष मुद्दे पर अधिक भ्रम पैदा करने में विश्वास करते हैं।

यहां संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, ‘‘मुझे नहीं लगता कि मुख्यमंत्री या कांग्रेस सरकार इस विशेष मुद्दे पर ईमानदार हैं। भाजपा ने इस विषय पर बार-बार अपना रुख स्पष्ट किया है, लेकिन जब उपचुनाव नजदीक आ रहे हैं, तो सिद्दरामय्या और कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं और वे इस विषय पर ईमानदार नहीं हैं।’’ चन्नापटना, शिग्गांव और संदूर विधानसभा क्षेत्रों में 13 नवंबर को उपचुनाव के लिए मतदान होगा।

केनरा बैंक का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत बढ़कर 4,015 करोड़ रुपये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत बढ़कर 4,015 करोड़ रुपये रहा। बेंगलूरु स्थित बैंक का पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 3,606 करोड़ रुपये रहा था।

केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ के. सत्यनारायण राजू ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 34,721 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 31,472 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक ने 29,740 करोड़ रुपये की ब्याज आय दर्ज की, जो एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में 26,838 करोड़ रुपये थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक ने सुधार देखा और सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सितंबर 2024 के अंत तक सकल ऋण के 3.73 प्रतिशत तक घट गईं, जो एक साल पहले 4.76 प्रतिशत थीं। इसी प्रकार, शुद्ध एनपीए या डूबा कर्ज सालाना आधार पर 1.41 प्रतिशत से घटकर 0.99 प्रतिशत हो गया।

कासरगोड के मंदिर में हुए हादसे में गंभीर रूप से घायल 23 श्रद्धालु मंगलूरु लाए गए

मंगलूरु/भाषा। केरल के कासरगोड जिले में नीलेश्वरम के निकट वीरारकावू के एक मंदिर में थेय्यम उत्सव के दौरान हो रही आतिशबाजी के बीच आग लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हुए 23 लोगों को इलाज के लिए मंगलूरु लाया गया है। सोमवार-मंगलवार की मध्य रात्रि को हुए इस हादसे में 150 से ज़्यादा लोग झुलसकर और भगदड़ में कुचलकर घायल हुए हैं। घायलों की अधिक संख्या को देखते हुए, गंभीर रूप से घायल 23 श्रद्धालुओं को मंगलूरु के एजे अस्पताल एवं येनेपोया अस्पताल में लाया गया है जहां उनकी हालत स्थिर बतायी गयी है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को रात करीब एक बजे वीरारकावू मंदिर में मुलंकुली चामुंडी थेय्यम उत्सव हो रहा था और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। पुलिस के अनुसार, इसी दौरान परंपरागत आतिशबाजी की चिनगारी निकट के कक्ष में रखे पटाखों पर गिरी और आग लग गई। आग से झुलस कर और भगदड़ मचने से 150 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को कासरगोड, कन्नूर और मंगलूरु के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

मंगलूरु के पुलिस उपायुक्त कानून एवं व्यवस्था सिद्धार्थ गोयल ने बताया कि गंभीर रूप से घायल 23 श्रद्धालुओं को कासरगोड़ से मंगलूरु लाया गया और यहां अस्पतालों में उनका इलाज चल रहा है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अभी घायलों की पहचान का काम जारी है।

मंत्री ने केंद्र पर रायचूर में एम्स स्थापित करने में देरी का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायचूर। कर्नाटक के लघु सिंचाई, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री एन एस बोसराजू ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना में देरी का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि कई बार अपील करने और निरंतर ‘सत्याग्रह’ के बाद भी केंद्र सरकार ने इस पुरानी मांग पर कोई जवाब नहीं दिया।

बोसराजू ने एक बयान में कहा, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के नेतृत्व में कर्नाटक सरकार रायचूर में एम्स लाने की अपनी प्रतिबद्धता में अडिग है। हमने अथक प्रयास किया है, कई अनुरोध सौंपे हैं।

उनके अनुसार, सिद्दरामय्या ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को कई बार पत्र भेजे हैं तथा एम्स ’होराता समिति’ के सदस्यों, स्थानीय सांसद जी कुमार नाइक और जिला प्रतिनिधियों की एक समर्पित टीम ने भी रायचूर में एम्स की स्थापना की जोरदार पैरवी करते हुए दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात भी की थी। इसके अलावा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में इस मुद्दे को उठाया है और रायचूर में एम्स की स्थापना पर राज्य के रुख को मजबूती प्रदान की है।

उन्होंने कहा, ‘‘इन प्रयासों के बावजूद, केंद्र सरकार ने कल्याण कर्नाटक (क्षेत्र) में तत्काल आवश्यकता को पूरा करने में बहुत कम रुचि दिखाई है। रायचूर जिला एम्स ’होराता समिति’ (इस मुद्दे के लिए लड़ने वाली एक समिति) ने अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर क्षेत्र की सामूहिक अपील पर जोर देते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल के 900 दिन पूरे कर लिए हैं।’’ मंत्री ने केंद्र सरकार से रायचूर के लिए तुरंत एम्स को मंजूरी देने की अपील की।

कोचुवेली-एसएमवीटी बेंगलूरु के बीच अनारक्षित विशेष ट्रेनें

बेंगलूरु। दक्षिण रेलवे ने दीपावली त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोचुवेली-एसएमवीटी बेंगलूरु स्टेशनों के बीच अनारक्षित विशेष ट्रेनों के संचालन कर रही है।

ट्रेन संख्या 06039 कोचुवेली-एसएमवीटी बेंगलूरु अनारक्षित विशेष ट्रेन 4 नवंबर को शाम 6:05 बजे कोचुवेली से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 10:55 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06040 एसएमवीटी बेंगलूरु-कोचुवेली अनारक्षित विशेष ट्रेन 5 नवंबर को दोपहर 12:45 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 5:00 बजे कोचुवेली पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में कोल्लम, कयांकुलम, चेंगन्नूर, तिरुवल्ला, कोट्टायम, एर्नाकुलम टाउन, अलुवा, त्रिशूर, पलक्कड़, कोयंबटूर, तिरुपुर, इरोड और सेलम स्टेशनों पर रुकेगी। इस विशेष ट्रेन में 16 कोच होंगे, जिनमें सामान्य द्वितीय श्रेणी (14), दूसरा सामान, गार्ड और दिव्यांग कम्पार्टमेंट (1) और सामान/जेनरेटर/ब्रेक वैन (1) शामिल है।

अनुसूचित जातियों के बीच आंतरिक आरक्षण हेतु शीघ्र ही एक सदस्यीय आयोग गठित होगा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि अनुसूचित जातियों के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए अनुभव आधारित आंकड़े एकत्र करने हेतु शीघ्र ही एक सदस्यीय आयोग का गठन किया जाएगा सिद्दरामय्या ने कहा, हमने सोमवार को मंत्रिमंडल में आंतरिक आरक्षण के बारे में निर्णय लिया है। सैद्धांतिक रूप से हम आंतरिक आरक्षण देने पर सहमत हो गए हैं। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश का एक सदस्यीय आयोग बनाया जाएगा, आयोग को तीन महीने में रिपोर्ट देनी होगी।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ‘‘कुछ लोगों की राय है कि कोई अनुभवजन्य आंकड़ा नहीं है।’’

अनुसूचित जातियों का एक वर्ग, विशेषकर अनुसूचित जाति-बायां (अज-बायां), आंतरिक आरक्षण की मांग कर रहा है तथा आरोप लगा रहा है कि केवल कुछ प्रभावशाली उप-जातियां ही अधिकांश लाभ हड़प रही हैं, जबकि कई समुदाय अभी भी हाशिए पर हैं।

विधानसभा चुनाव से बस पहले पिछली भाजपा सरकार के मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार को अनुसूचित (बायां) के लिए छह प्रतिशत आंतरिक आरक्षण, अनुसूचित (दायां) के लिए 5.5 प्रतिशत आरक्षण और स्पृश्य (बंजारा, भोवी, कोरचा, कुरुमा, आदि) के लिए 4.5 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश करते हुए आंतरिक आरक्षण का निर्णय लिया था।

बताया जाता है कि अनुसूचित (बायां) ऐतिहासिक रूप से अनुसूचित (दायां) से अधिक पिछड़ रहे हैं। सोमवार का मंत्रिमंडल का फैसला उच्चतम न्यायालय द्वारा एक अगस्त को सुनाये गये ऐतिहासिक निर्णय का आलोक में किया गया है। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि राज्यों को सामाजिक रूप से विषम वर्गीय अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, ताकि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी जातियों के उत्थान के लिए आरक्षण दिया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा, अनुभवजन्य आंकड़े जुटाने के लिए हम तत्काल एक आयोग गठित करेंगे और तीन महीने में उससे रिपोर्ट प्राप्त करेंगे। आयोग के लिए नियम एवं शर्तें तय की जाएंगी। जिन भर्तियों के लिए अधिसूचनाएं पहले ही जारी हो चुकी हैं, उनके अलावा बाकी भर्तियों के लिए अधिसूचनाएं जारी नहीं की जाएंगी (ऐसा तबतक के लिए किया जाएगा जब तक कि आंतरिक आरक्षण प्रदान नहीं किया जाता)।

पशुधन जनगणना

बेंगलूरु में मंगलवार को 21वीं राष्ट्रीय पशुधन जनगणना का शुभारंभ मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया। इस मौके पर पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग और रेशम मंत्री के. वेंकटेश, पशुपालन विभाग सचिव डॉ. अजय नागभूषण एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। पशुधन गणना का कार्य फरवरी 2025 तक किया जायेगा।

कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण ने सभी परीक्षाओं के लिए आधार आधारित पंजीकरण का प्रस्ताव रखा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) ने व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में सीट के इच्छुक छात्रों के लिए अगले साल से ‘आधार’ आधारित पंजीकरण का प्रस्ताव रखा है ताकि सीट ‘ब्लॉक’ किए जाने की समस्या को समाप्त किया जा सके। केईए ने यह प्रस्ताव कर्नाटक ई-गवर्नेंस विभाग को सौंप दिया है। केईए के कार्यकारी निदेशक एच प्रसन्ना ने ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, ई-गवर्नेंस विभाग हमारे प्रस्ताव के पक्ष में है और उन्होंने मंजूरी के लिए भारत सरकार को प्रस्ताव भेज दिया है। हम मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। ‘‘आधार से जुड़े पंजीकरण का प्रस्ताव प्रमाणीकरण सुनिश्चित करने के लिए रखा गया है ताकि पंजीकरण में हर तरह की गड़बड़ी को रोका जा सके और छात्रों को उनके मोबाइल फोन पर परीक्षा से संबंधित जानकारी भेजी जा सके।’’ प्रसन्ना ने कहा कि केईए द्वारा विभिन्न विभागों के लिए आयोजित की जाने वाली भर्ती परीक्षाओं में भी आधार से जुड़े पंजीकरण की व्यवस्था किए जाने की योजना है ताकि परीक्षा संबंधी गड़बड़ियों पर अंकुश लगाया जा सके। केईए ने ‘कर्नाटक सामान्य प्रवेश परीक्षा’कोटे के अंतर्गत इंजीनियरिंग सीट आवंटन के सभी दौर पूरे होने के बाद कथित ‘सीट-ब्लॉकिंग’ घोटाले के प्रकाश में आने के बाद यह कदम उठाया है। यह पाया गया कि कई छात्रों ने एक ही आईपी एड्रेस’ का उपयोग करके सीट ब्लॉक कर दीं और उन्होंने केईए को जो मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी उपलब्ध कराए थे वे फर्जी हैं। यह पाया गया कि कुछ मामलों में छात्रों ने शीर्ष कॉलेजों में उन विषयों की सीट का विकल्प चुना जिनके लिए मांग अधिक रहती है लेकिन वे कॉलेज नहीं पहुंचे जिसके परिणामस्वरूप केसीईटी कोटा के तहत आने वाली सभी सीट प्रबंधन कोटा में आ गईं।

मोदी ने आईआईएससी बेंगलूरु में आयुर्वेद उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) में आयुष मंत्रालय द्वारा प्रायोजित मधुमेह और चयापचय विकारों के लिए आयुर्वेद उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की डिजिटल रूप से शुरुआत की। यह उद्घाटन 29 अक्टूबर को नौवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर किया गया, जिसकी थीम वैश्विक स्वास्थ्य के लिए ‘आयुर्वेद के नवाचार’ है।

आईआईएससी में सीओई का नेतृत्व डॉ. नवकांत भट और डॉ. सोना राजकुमारी कर रहे हैं। सहयोगी संस्थानों से इस सीओई के अतिरिक्त अन्वेषकों में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) की प्रमुख डॉ. सुलोचना भट, समत्वम: मानव कल्याण के लिए विज्ञान और अनुसंधान न्यास के निदेशक डॉ. एस. श्रीकांत और प्रयोग शिक्षा अनुसंधान संस्थान के डॉ. के.एस. नागभूषण शामिल हैं। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, आयुर्वेद का उत्कृष्टता केंद्र आयुर्वेद, मधुमेह और चिकित्सा अनुसंधान में विशेषज्ञता वाले भारत के अग्रणी संस्थानों के साथ सहयोग करेगा। सीएआरआई की प्रमुख डॉ. सुलोचना भट्ट ने कहा कि सीओई के तहत नियोजित अनुसंधान में आयुर्वेदिक मधुमेह देखभाल के परिदृश्य को बदलने की अपार संभावनाएं हैं।

तेज रफ्तार कार ने राहगीर को कुचला, मौत

कुंदापुर। मंगलूरु से लगभग सौ किलोमीटर दूर कुंदापुर के पास रविवार रात एक तेज रफ्तार कार ने एक राहगीर को कुचल दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक की पहचान गोलिकट्टे निवासी भद्रा (45) के रूप में हुई है। वह कल रात जब अपने घर जा रहा था तभी तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। कार बाइंदूर से कुंदापुर की ओर जा रही थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और कार चालक की तलाश की जा रही है।

प्रियांक खरगे ने दो प्रमुख स्टार्टअप कार्यक्रमों की शुरुआत की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को दो प्रमुख स्टार्टअप कार्यक्रम ‘एलेवेट 2024’ और ‘केएएन’ (कर्नाटक एक्सेलेरेशन नेटवर्क) की शुरुआत की। अधिकारियों के अनुसार, एलेवेट 2024’ एक सीड’ वित्त पोषण योजना है जिसे राज्य में प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप को सशक्त बनाने के लिए तैयार किया गया है। ‘केएएन’ एक नेटवर्क है जो बेंगलूरु से परे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए समूचे राज्य में विकासशील स्टार्टअप के लिए मार्गदर्शन, बाजार पहुंच और वित्तपोषण के अवसर प्रदान करता है। इस मौके पर खरगे ने नवाचार तथा उद्यमिता के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

मंत्री ने कहा कि कर्नाटक लंबे समय से जीवंत स्टार्टअप परिवेश को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है। एलेवेट और केएएन दोनों को विशेष रूप से विकास के लिए एक संरचित मार्ग प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। खरगे ने अगले महीने आयोजित होने वाले ‘बेंगलूरु टेक समिट’ 2024 के लिए ‘इवेंट ऐप’ भी पेश की।

अजमेर के विकास में पैसे की कमी नहीं आने दी जाएगी : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि अजमेर के विकास के लिये पैसे की कमी नहीं आने दी जायेगी।

देवनानी मंगलवार को यहां अपने अजमेर उत्तर विधानसभा के कोटड़ा क्षेत्र में 26 करोड़ रुपये की लागत से 50 शैय्या वाले राजकीय सेटेलाइट चिकित्सालय के भवन का भूमि पूजन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुराना अजमेर, हमारी धरोहर है, लेकिन अब हम न्यू अजमेर की कल्पना को धरातल पर लायेंगे। इसके लिये योजना बनाने के अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि अजमेर के विकास में पैसे की कमी नहीं आने दी जायेगी, पैसे की चिन्ता कोई न करे। उन्होंने कहा कि योजना बनाये और उसे धरातल तक पहुंचाये, यही ध्येय होना चाहिए।

देवनानी ने अजमेर को चिकित्सा, शिक्षा और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विकसित करने की बजट में 1500 करोड़ रुपये की घोषणा का जिक्र भी किया। आयुर्वेद विश्वविद्यालय एक बड़ी और बहुउपयोगी योजना है। उन्होंने पत्रकार कालोनी की पहाड़ी पर स्थित विवेकानंद स्मारक पर 12 जनवरी 2025 तक स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति स्थापित करने की भी घोषणा की। उन्होंने सेटेलाइट अस्पताल के भूमि पूजन का आज का दिन को अजमेर उत्तर के लिये ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के एक लाख लोग इससे लाभान्वित होंगे और जे.एल.एन. अस्पताल का भार भी कम होगा। उन्होंने इस काम के लिये सरकार का आभार भी जताया। इस मौके पर जिला कलेक्टर लोकबंधु, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शहर अध्यक्ष रमेश सोनी, अजमेर की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ज्योत्सना रंगा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में अस्पताल के लिये 6500 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गयी है, जबकि योजनानुसार 10 हजार वर्ग मीटर भूमि आवश्यक है, जोकि वहीं पर उपलब्ध भी है ।

लक्ष्मणगढ़ में पुलिया से टकराई बस, 11 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। राजस्थान के सीकर के लक्ष्मणगढ़ इलाके में मंगलवार को एक बस पुलिया से टकरा गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को इलाज के लिए लक्ष्मणगढ़ और सीकर के अस्पताल ले जाया गया है। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि बस सुजानगढ़ से वाया सालासर-लक्ष्मणगढ़-नवलगढ़ जा रही थी। बस की रफ्तार तेज होने के कारण बस घुमाव में नहीं घुम पाई। इसके कारण ये हादसा हुआ।

लक्ष्मणगढ़ थाने के एएसआई रामदेव सिंह के अनुसार यात्रियों से भरी एक बस सालासर से नवलगढ़ जा रही थी। लक्ष्मणगढ़ में तेज रफ्तार होन के कारण बस का संतुलन बिगड़ गया और पुलिया से जा टकराई। हादसे में 5 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 6 अन्य यात्रियों की अस्पताल में मौत हुई है। इस सड़क हादसे में 25 से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को लक्ष्मणगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है, जबकि मृतकों के शवों को मोर्चरी में रखवाया।

हादसे की सूचना जैसे ही लागों को लगी तो लोगों हुजूम उमड़ पड़ा। बताया जा रहा है कि बस तेज रफ्तार में हो ने के कारण पुलिय से जा टकराई। लक्ष्मणगढ़ पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इस भीषण सड़क हादसे में घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए लक्ष्मणगढ़ अस्पताल ले जाया गया। गंभीर घायलों को सीकर के कल्याण अस्पताल में रेफर किया गया, जहां कई लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है।

इस हादसे को लेकर नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि 'सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में बस दुर्घटना के कारण हुई जनहानि दुःखद खबर है। ईश्वर दिवंगत जनों की आत्मा को शांति प्रदान करे व घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करे'। इस सड़क हादसे पर कई नेताओं ने दुख जताया है। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि ' लक्ष्मणगढ़ में भीषण सड़क दुर्घटना में 8 लोगों की मृत्यु का हृदयविदारक समाचार सुनकर आहत हूं। दुःखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में अपनों को खोने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।

सशक्त भारत में लौह पुरूष का अतुलनीय योगदान : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारतीय रियासतों का एकीकरण कर एक सशक्त भारत का निर्माण किया। उनकी जयंती पर आयोजित रन फॉर यूनिटी मैराथन हमें विविधता में एकता के महत्व का संदेश देते हुए उनके अतुलनीय साहस और संकल्प का स्मरण कराती है। शर्मा ने मंगलवार को अमर जवान ज्योति पर 'रन फॉर यूनिटी -एक भारत, श्रेष्ठ भारत' मैराथन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया और उपस्थित जन समूह से राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ का वाचन कराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जिस तरह सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ शक्ति के बल पर देश को एकता के सूत्र में पिरोया, उससे नई पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए और राष्ट्रीय एकता के लिए समर्पित होकर कार्य करना चाहिए।

शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल के विराट व्यक्तित्व को दर्शाने के लिए प्रधानमंत्री ने गुजरात में विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कराया है। इस मूर्ति के निर्माण के लिए राजस्थान सहित पूरे देश के लोगों ने लोहा देकर अपना योगदान दिया। यह एक मूर्ति नहीं है, बल्कि भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जिस संकल्प के साथ देश को एकजुट किया उसी पथ पर चलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त कर 'एक देश, एक विधान और एक निशान' के संकल्प को और मजबूत करने का काम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर सरदार पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को पूरे जज्बे और जोश के साथ सम्पूर्ण भारत वर्ष में मनायी जाती है। इस वर्ष 31 अक्टूबर को दीपावली पर्व होने के कारण प्रधानमंत्री ने देशवासियों को इसे 29 अक्टूबर को आयोजित करने का आग्रह किया था।

खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' फिट इंडिया का संदेश देती है। इस अवसर पर जयपुर लोकसभा सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा, पुलिस महानिदेशक यूआर साहू, खेल विभाग के शासन सचिव नीरज के पवन सहित भारी संख्या में पुलिस के जवान, एनसीसी कैडेट, स्काउट गाइड सहित सभी आयुवर्ग के धावक उपस्थित थे।

'आपणो स्वस्थ राजस्थान' बनाने की दिशा में अग्रसर राज्य सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को 9वें आयुर्वेद दिवस पर नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान से देश को स्वास्थ्य क्षेत्र संबंधी 12 हजार 850 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की सौगात दी। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष एवं इससे अधिक के वरिष्ठ नागरिकों को अब 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज मिलेगा। कार्यक्रम में पीएम आयुष्मान भारत हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत राजस्थान में भी 8 क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स का वर्चुअल शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा इस कार्यक्रम से भरतपुर के आरबीएम अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

प्रधानमंत्री ने इस दौरान देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक ताने-बाने की आत्मा 'सर्वे सन्तु निरामय' को आधार मानते हुए सबका साथ-सबका विकास की संकल्पना के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र को विकसित करने के लिए अथक प्रयास किए गए हैं तथा आगामी 25 वर्षों में भी सुदृढ स्वास्थ्य क्षेत्र विकसित भारत का मजबूत आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार विकसित एवं निरामय भारत के सपने को पूरा करने के लिए संकल्पित है।

मोदी ने कहा कि देश के नागरिक जितने स्वस्थ होंगे, देश की प्रगति की गति भी उतनी ही तेज होगी। इसी सोच के साथ केन्द्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र के कायाकल्प के लिए अनेक काम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में देश में आयुर्वेद के ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा के साथ जोड़कर स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ा गया है। 150 से ज्यादा देश आयुर्वेद दिवस मना रहे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि आयुर्वेद के माध्यम से भारत पूरे विश्व में अपनी अनूठी पहचान बना रहा है। वर्तमान में 'आयुष' देश के सर्वाधिक तीव्र गति से वृद्धि करने वाले सेक्टर में शामिल हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत अब 70 वर्ष तथा इससे अधिक के बुजुर्गों को 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज मिलेगा। इससे वे स्वाभिमान के साथ अपना जीवन जी सकेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में तकनीक के उपयोग पर भी जोर दे रही है। इसी का परिणाम है कि ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से 30 करोड़ लोग ऑनलाइन परामर्श ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में भारत मेडिकल एवं वैलनेस टूरिज्म के क्षेत्र में एक बड़े केन्द्र के रूप में देखा जा रहा है। आज योग, पंचकर्म सहित विभिन्न प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों से इलाज के लिए विश्वभर से लोग भारत आते हैं। ऐसे में, इस क्षेत्र से संबंधित विशेषज्ञों को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि विशेषज्ञ इन अवसरों से न केवल खुद को आगे बढ़ाएं बल्कि मानवता की सेवा में भी योगदान दें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से देश में आयुर्वेद को आज एक नया मुकाम मिला है। उनका मानना है कि हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें तथा इलाज का खर्च कम से कम हो। इसी सोच के साथ देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई क्रांति की शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य कवरेज मिलने से निःशुल्क इलाज प्राप्त हो सकेगा। जिससे हमारे बुजुर्ग इलाज के लिए अब किसी पर निर्भर नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में बुजुर्गों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

एयरपोर्ट और फ्लाइट्स को मिल रही धमकियों पर सरकार सजग : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मंगलवार को राजस्थान के जोधपुर दौरे पर थे। यहां एयरपोर्ट पर उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए देशवासियों को धनतेरस की शुभकामनाएं दी। सभी मारवाड़ी वासियों और देशवासियों को धनतेरस की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि आज भगवान धन्वंतरि दिवस है, जो आयुष और स्वास्थ्य के देवता हैं और क्योंकि आज लक्ष्मी के पूजन का दिन भी है। मैं आप सभी के लिए उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए, आप सबके घर में स्थाई रूप से लक्ष्मी का वास हो, ऐसी भगवान से प्रार्थना करता हूं।

एयरपोर्ट के विकास कार्यों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट का विकास तेज गति से हो रहा है और आने वाले तीन-चार महीने में हमारा नया टर्मिनल विकसित हो जाएगा। हमारे पास बहुत सारी चुनौतियां हैं, जो समाप्त हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि जोधपुर की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी।

आज जोधपुर जयपुर, अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई और दिल्ली इन सब शहरों से जुड़ा है। कुछ समय में टर्मिनल विकसित होने के बाद में जोधपुर देश के अन्य बड़े शहरों के साथ-साथ दुनिया के शहरों से भी जुड़ेगा और इससे जोधपुर के टूरिज्म सेक्टर और यहां की इंडस्ट्री दोनों को बहुत लाभ होगा। हैंडीक्राफ्ट, स्टील इंडस्ट्री और टूरिज्म इंडस्ट्री इन तीनों इंडस्ट्री को बहुत ज्यादा लाभ होगा।

फ्लाइट को बम से उड़ाने की लगातार मिल रही धमकी को केंद्रीय मंत्री ने बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सुनियोजित रूप से ऐसी गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है। लेकिन सरकार सजग है। इस पर पूरी गंभीरता से जांच और कार्रवाई दोनों की जा रही है ।

उन्होंने कहा कि पिछले कई दिनों से लगातार फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिल रही है। इसकी जांच में कई एजेंसियां लगी हुई है।

हर दूसरे दिन धमकी मिल रही है, जिसको लेकर पुलिस और प्रशासन के साथ तमाम एजेंसियां एयरपोर्ट पर पहुंचकर कार्रवाई करती हैं। हालांकि जांच में वहां कुछ नहीं मिलता। सरकार इस पर गंभीरता से विचार कर रही है।

यह सरकार केवल गाय और धर्म के नाम पर वोट कमाना जानती है : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व उप मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि यह सरकार केवल गायों और धर्म के नाम पर वोट हासिल करना जानती है। इन्होने गायों की सुरक्षा, उनके अनुदान के लिए कुछ नहीं किया। पायलट पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। गायों के लिए 'आवारा' शब्द के इस्तेमाल के नए आदेश पर कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने जयपुर में पत्रकारों से कहा कि यह सरकार केवल गायों और धर्म के नाम पर वोट हासिल करना जानती है। उनके पास इस बात का कोई डाटा नहीं है कि उन्होंने गायों की सुरक्षा पर कितना खर्च किया है। वे केवल इससे वोट हासिल करना जानते हैं। लोग अंततः उन पर भरोसा करना बंद कर देंगे और उन्होंने पहले ही ऐसा कर दिया है। पायलट ने महाराष्ट्र और झारखंड में हो रहे चुनावों को लेकर कहा कि दोनों राज्यों में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। राजस्थान में हो रहे उपचुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस एकजुट है और सभी सातों सीटों पर मजबूत प्रत्याशी लड़ रहे है। पायलट ने दावा किया कि राजस्थान में भाजपा की सरकार होने के बावजूद भी उपचुनाव में कांग्रेस जीतने जा रही है। उन्होंने कहा कि इस सरकार के ग्यारह महीने के कामकाज को देखने के बाद भाजपा से जनता का मोहभंग हुआ है। भाजपा सरकार जनहित की कई योजनाओं से दूर हो गई और सरकार में अलग-अलग सत्ता के केंद्र बनने से समस्याएं खड़ी हो गई। ऐसे में जनहित की योजनाओं को बंद करने से जनता के काम रुक गए। इसी वजह से प्रदेश में सरकार विरोधी माहौल है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान में मौजूदा सत्ता और संगठन में भारी खींचतान है, कौन क्या कर रहा है किसी को कुछ पता ही नहीं चल रहा है।

हरियाणा-राजस्थान रोडवेज ट्रेफिक पुलिस विवाद मामले पर चुटकी लेते हुए पायलट ने कहा कि यह केवल रोडवेज तक नहीं हर हिस्से में हो रहा है, एमओयू हो गए लेकिन सार्वजनिक नहीं हुए। पायलट ने जनगणना के मामले पर कहा कि यह सरकार आंकड़े दबाने का काम कर रही है, कांग्रेस लगातार जनगणना की मांग कर रही है लेकिन भाजपा जानबूझकर देरी कर रही है, जब तक आकड़े सार्वजनिक नहीं होंगे तो आमजन को लाभ कैसे होगा? बीजेपी केवल राजनीतिक हित साधने की दिशा में काम कर रही है।

प्रदेश के वन्यजीव संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार कर रही हरसंभव प्रयास : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में वन्यजीव मण्डल की स्थायी समिति की द्वितीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सदस्यों द्वारा प्रदेश के वन्यजीव स्वीकृति से सम्बंधित 14 नए प्रस्तावों तथा 3 पुनर्विचार के प्रस्तावों पर चर्चा की गई एवं समिति की गत बैठक में दिए गए निर्देशों की पालना की समीक्षा की गई। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण को गति देने की दिशा में हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश के वन्यजीव संरक्षित क्षेत्रों में वन्यजीव एवं वनसंपदा को बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सके, इसके लिए नियमों के भली भांति पालन को सुनिश्चित किया जा रहा है। शर्मा ने माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य में व्यापक स्तर पर फैली हुई खरपतवार 'लैन्टाना' के उन्मूलन के सम्बन्ध में उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस खरपतवार प्रजाति के कारण अभयारण्य के पर्यावरण पर पड़ रहे विपरीत प्रभाव को जल्द ही रोका जाना चाहिए। सदस्यों द्वारा प्राप्त सुझावों के आधार पर अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने कहा कि अधिकारी 'लैन्टाना' के उन्मूलन के विषय में अन्य राज्यों द्वारा किये जा रहे प्रयोगों का अध्ययन कर एसओपी तैयार करे। बैठक में संरक्षित क्षेत्रों के साथ ही वन्यजीव संरक्षण को लेकर सदस्यों की ओर से सुझाव साझा किये गए। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ) अरिजीत बनर्जी, सदस्य सचिव स्थायी समिति राज्य वन्यजीव मण्डल एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक पवन कुमार उपाध्याय, स्थायी समिति राज्य वन्यजीव मण्डल के सदस्य एवं अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सरकार युवाशक्ति को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये प्रतिबद्ध : चौधरी

अजमेर। केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार देश की युवाशक्ति को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिये प्रतिबद्ध है। अजमेर के महर्षि दयानंद सरस्वती विश्विद्यालय सभागार में आयोजित ..रोजगार मेला.. कार्यक्रम में चौधरी ने रोजगार मेला कार्यक्रम को युवाओं के सपनों को साकार करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से आज धनतेरस के दिन रोजगार मेला कार्यक्रम के तहत देशभर के 40 शहरों में विभिन्न केन्द्रीय विभागों में सरकारी नौकरियों में चयनित 51,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किये गये।

सरदार पटेल के एकजुट भारत के सपने को मजबूत करता है 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन न सिर्फ हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है, बल्कि सरदार पटेल के एकजुट भारत के सपने को भी बल प्रदान करता है।

देश के दिवंगत पूर्व उप प्रधानमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार योगी के सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग से केडी सिंह बाबू स्टेडियम तक आयोजित इस दौड़ में सैकड़ों युवाओं, बच्चों और आम नागरिकों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत कई मंत्री और प्रमुख नेता मौजूद थे।

'रन फॉर यूनिटी' के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी ने सभी को देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने की शपथ दिलाई। उन्होंने देश की एकता और सुरक्षा के लिए नागरिकों से सेना के साथ अपनी भी जिम्मेदारी निभाने और सहयोग करने की अपील की। योगी ने भारत की आजादी और आज के भारत की अखंडता में सरदार पटेल के महान योगदान को याद करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने ब्रिटिश सत्ता के षड्यंत्र को बेनकाब कर 563 से अधिक रियासतों का भारत

गणराज्य में विलय कराया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''जूनागढ़ के नवाब से लेकर हैदराबाद के निजाम तक सभी को उन्होंने भारतीय एकता के महत्व को समझने पर विवश किया। सरदार पटेल ने अखंड भारत का जो स्वरूप हमें दिया, वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में और मजबूत हो रहा है।'' संबोधन में योगी ने कहा, ''स्वस्थ समाज का निर्माण ही राष्ट्र को मजबूत बनाता है। रन फॉर यूनिटी का आयोजन न सिर्फ हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है बल्कि सरदार पटेल के एकजुट भारत के सपने को भी बल प्रदान करता है।'' उन्होंने कहा यह न सिर्फ एक एकता की दौड़ है बल्कि स्वस्थ रहने के संकल्प का प्रतीक भी है।

इस बार की दीपावली ऐतिहासिक होगी, अयोध्या राम मंदिर में हजारों दीप जलाये जाएंगे : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि इस साल की दीपावली ऐतिहासिक होगी क्योंकि 500 साल के इंतजार के बाद इस त्योहार पर अयोध्या में रामलला के जन्मस्थान पर बने मंदिर में हजारों दीप जलाये जाएंगे।

मोदी ने कहा ये ऐसी दीपावली होगी जब भगवान राम एक बार फिर अपने घर आए हैं और इस बार ये प्रतीक्षा 14 वर्षों के बाद नहीं, बल्कि 500 वर्षों बाद पूरी हो रही है। प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी स्वास्थ्य क्षेत्र की करीब 12,850 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में की।

इससे पहले, एक अन्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा, ''इस साल की दीपावली बहुत खास है, बहुत विशेष है...500 वर्षों के बाद प्रभु श्री राम अयोध्या के अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं। और उस भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद ये पहली दीपावली है।'' उन्होंने कहा कि इस दीपावली की प्रतीक्षा में कई पीढ़ियां गुजर गईं, लाखों लोगों ने बलिदान दिए और यातनाएं झेलीं। उन्होंने कहा, ''हम सभी बहुत सौभाग्यशाली हैं जो ऐसी विशेष, खास, भव्य दीपावली के साक्षी बनेंगे।'' इस साल जनवरी में अयोध्या मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस कार्यक्रम का नेतृत्व किया था। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर निर्माण से आगे बढ़कर अगले 1,000 साल के भारत की नींव रखने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि राम के विचार, 'मानस के साथ ही जनमानस' में भी हों, यही राष्ट्र निर्माण की सीढ़ी है।

आज कोई भी माफिया और अपराधी कानून से खिलवाड़ नहीं कर सकताः आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकारों की व्यवस्था पर तंज कसते हुए मंगलवार को दावा किया कि आज कोई भी माफिया और अपराधी कानून से खिलवाड़ नहीं कर सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोमतीनगर स्थित होटल ताज में आयोजित न्यूज चैनल के शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यहां जारी आधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने कहा कि साढ़े सात वर्ष पहले उत्तर प्रदेश के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। उन्होंने कहा, ''प्रदेश की पहचान देश और दुनिया में दंगे, दुर्दांत माफिया, माफिया गिरोह, राजनीति के अपराधीकरण और शासन के भ्रष्टाचार के रूप में हो गयी थी। इसकी वजह से प्रदेश के युवाओं के सामने नौकरी, सम्मान और स्वाभिमान का संकट खड़ा हो गया था।'' मौजूदा माहौल पर उन्होंने कहा, ''आज प्रदेश में निवेश और पर्यटन के लिए अनुकूल माहौल है। यह केवल नीति और कारोबार सुगमता से ही संभव नहीं हुआ है, बल्कि इसके लिए प्रदेश सरकार ने चरणबद्ध तरीके से कार्य किया।'' इसमें कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति की अहम भूमिका रही है। यही वजह है कि आज कोई भी माफिया और अपराधी कानून के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता है।''

त्रिपुरा सरकार आयुर्वेदिक कॉलेज स्थापित करने की इच्छुक : मुख्यमंत्री माणिक साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य में एक आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल स्थापित करना चाहती है क्योंकि लोग इस तरह का उपचार पंसद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 50 बिस्तरों वाले राज्य आयुर्वेदिक अस्पताल में अधिकांश समय मरीजों की भीड़ रहती है।

साहा ने यहां प्रज्ञा भवन में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 2014 में केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बनने के बाद आयुर्वेदिक उपचार लोकप्रिय हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों के बीच आयुर्वेद और होम्योपैथी को बढ़ावा देने के लिए एक अलग

आयुष मंत्रालय की स्थापना की। हम भी प्रधानमंत्री के पदचिह्नों पर चल रहे हैं। साहा, राज्य स्तरीय आयुर्वेदिक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, सरकार बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए एक आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल स्थापित करना चाहती है। राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव किरण गिट्टे ने कहा कि रविशंकर फाउंडेशन ने पहले ही सरकार से संपर्क कर राज्य में आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की थी।

साहा ने कहा, हम उसकी विश्वसनीयता पर गौर करेंगे... अगर यह हमारी आवश्यकताओं से मेल खाता है तो सरकार संगठन को आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल स्थापित करने के लिए आमंत्रित करेगी। अगर त्रिपुरा राजकीय डेंटल कॉलेज को सबसे कम समय में स्थापित किया जा सकता है तो हम आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल के लिए ऐसा क्यों नहीं कर सकते? हम ऐसा ही करेंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य आयुर्वेदिक अस्पताल में उचित निदान के लिए आधुनिक चिकित्सा उपकरण पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इकोकार्डियोग्राफी मशीनें और अन्य उन्नत उपकरण भी जल्द ही अस्पताल को प्रदान किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री माणिक साहा ने आयुर्वेद में अधिक शोध पर जोर दिया और चिकित्सकों व विशेषज्ञों से विभिन्न औषधीय पौधों के अध्ययन पर काम करने का आह्वान किया, जिनका उपयोग आयुर्वेदिक उपचार के लिए किया जा सकता है।

बाघ अभयारण्यों के निकट रहने वाले कलाकारों ने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश के कई बाघ अभयारण्यों के निकट रहने वाले कलाकारों के एक समूह ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में अपने प्रवास के दौरान इन कलाकारों द्वारा बनाई गई एक कला प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कला की सराहना की और कहा कि मानव और प्रकृति के बीच ''शाश्वत संबंध'' उनकी कला में परिलक्षित होता है। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी बयान के अनुसार, मुर्मू ने जनता से इन कलाकारों की कला की सराहना करने और कलाकृतियां खरीद कर उन्हें प्रोत्साहित करने का आग्रह किया।

बयान में कहा गया कि ये कलाकार छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, मिजोरम, तेलंगाना, उत्तराखंड और झारखंड से आए थे। बयान में कहा गया, ''ये कलाकार 'सृजन 2024' पहल के तहत 21 अक्टूबर से अब तक राष्ट्रपति भवन में रह रहे हैं। अपने प्रवास के दौरान कलाकारों ने प्राकृतिक रंगों से आदिवासी समकालीन, सौरा, गोंड, वारली और सोहराई आदि कला रूपों को दर्शाते हुए सुंदर कलाकृतियां बनाईं।''

गाजियाबाद अदालत में हंगामा, पुलिस और अधिवक्ताओं के बीच हाथापाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजियाबाद, (उप्र)/भाषा। गाजियाबाद जिले की एक अदालत में मंगलवार को अधिवक्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच कथित तौर पर हाथापाई का मामला सामने आया है। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि राज नगर इलाके में जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर के अंदर किस वजह से यह विवाद शुरू हुआ। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में यह हंगामा दिख रहा है।

सोशल मीडिया पर इस हंगामे की वीडियो क्लिप में कथित तौर पर अदालत के अंदर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों और वकीलों के बीच झड़प होती दिखाई दे रही है।

कुछ पुलिसकर्मियों के हाथों में डंडे थे। एक पुलिसकर्मी को लड़ाई में शामिल दूसरे पक्ष पर हमला करने के लिए हवा में लकड़ी की कुर्सी पकड़े हुए भी देखा गया। एक अधिवक्ता के सिर पर कथित तौर पर चोट के निशान भी देखे गए।

झारखंड शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में आईएएस, अन्य से संबद्ध परिसरों पर छापे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले की जांच के तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी विनय कुमार चौबे, कुछ अन्य सरकारी अधिकारियों और झारखंड एवं छत्तीसगढ़ में कई शराब व्यापारियों एवं बिचौलियों से संबद्ध परिसरों पर छापेमारी की।

अधिकारियों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी के झारखंड कार्यालय द्वारा धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हाल में एक आपराधिक मामला दर्ज किए जाने के बाद रांची और रायपुर में 15 परिसरों पर छापे मारे जा रहे हैं।

छापेमारी के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दलों ने प्रवर्तन निदेशालय के दलों को सुरक्षा प्रदान की। ईडी ने छत्तीसगढ़ पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा रायपुर में सात सितंबर को दर्ज की गई प्राथमिकी का संज्ञान लिया, जिसमें चौबे, छत्तीसगढ़ के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, रायपुर के महापौर एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर, भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) अधिकारी एवं छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग के विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी और चार अन्य के नाम शामिल हैं। उन्होंने बताया कि झारखंड काडर के 1999 बैच के आईएएस अधिकारी एवं वर्तमान में झारखंड पंचायती राज विभाग के सचिव चौबे, राज्य के आबकारी विभाग के संयुक्त सचिव गजेंद्र सिंह, शराब व्यापारियों और संबंधित व्यक्तियों के परिसरों की तलाशी ली जा रही है। चौबे राज्य में 2022 की आबकारी नीति के कार्यान्वयन के दौरान झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रधान सचिव और राज्य के आबकारी सचिव थे।

पुलिस की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि झारखंड शराब नीति 2022 राज्य के शराब सिंडिकेट को अवैध रूप से लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई थी, जिससे झारखंड सरकार को नुकसान हुआ।

सलमान, जीशान को जान से मारने की धमकी देने वाले युवक को नोएडा से गिरफ्तार किया

मुंबई/नोएडा/भाषा। मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता जीशान सिद्दीकी को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में उत्तर प्रदेश के नोएडा से 20 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी युवक को सोमवार को गिरफ्तार किया गया।

निर्मल नगर थाने के एक अधिकारी ने कहा, ''आरोपी ने पहले विधायक जीशान सिद्दीकी के हेल्पलाइन नंबर पर धमकी भरा संदेश भेजा और बाद में उस पर 'वॉयस कॉल' किया, जिसमें उसने सिद्दीकी और अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी। यह घटना शुक्रवार को हुई।'' उन्होंने बताया कि इस संबंध में सोमवार को मामला दर्ज किया गया और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपी को नोएडा से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी को मामले की जांच के लिए मुंबई लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह फोन कॉल जीशान के बांद्रा पूर्व स्थित जनसंपर्क कार्यालय को की गई थी।

शिल्पा शेट्टी के लिंगराज मंदिर में दर्शन करने की तस्वीरें वायरल होने के बाद सेवादार को नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर प्रशासन ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के मंदिर में जाने की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद एक सेवादार व एक अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। मंदिर के भीतर तस्वीरें लेने पर प्रतिबंध है।

शिल्पा शेट्टी को मंदिर परिसर में तस्वीरें खींचने और वीडियो बनाने की अनुमति कैसे दी गई, इस बात को लेकर श्रद्धालुओं में नाराजगी के बाद यह कदम उठाया गया। सूत्रों ने बताया कि शिल्पा शेट्टी सोमवार को एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राज्य की राजधानी में थीं और शाम को मंदिर गईं।

भुवनेश्वर के अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम) और मंदिर प्रशासन के प्रभारी रुद्र नारायण मोहंती ने बताया, हमारे संज्ञान में आया है कि शिल्पा शेट्टी की तस्वीरें वायरल हुई हैं। हमने मामले के संबंध में एक सेवादार और एक पर्यवेक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया। उन्हें सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देना होगा। मोहंती ने बताया कि दोनों को अभिनेत्री के साथ तस्वीरों में देखा गया था। स्थानीय विधायक बाबू सिंह ने भी इस बात पर चिंता जताई कि प्रतिबंध के बावजूद मंदिर परिसर में कैमरे या मोबाइल फोन कैसे ले जाने दिए गए। सिंह ने कहा, यहां तक कि जब प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति मंदिर में आते हैं, तब भी अंदर कैमरा ले जाने की अनुमति नहीं होती। मंदिर में आने वाली मशहूर हस्तियों को भी परिसर के अंदर मोबाइल फोन न ले जाने का निर्देश दिया जाता है, लेकिन फिर भी ये गलतियां हो रही हैं। ऐसी घटनाओं में शामिल पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

कोलकाता में देश के सबसे पुराने चिड़ियाघर को विरासत का दर्जा

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के अलीपुर चिड़ियाघर को विरासत का दर्जा देते हुए एक नीला फलक लगाया गया है। पिछले महीने ही इस चिड़ियाघर ने 150 साल पूरे किये हैं।

चिड़ियाघर के निदेशक शुभंकर सेनगुप्ता ने मंगलवार को बताया कि यह फलक कोलकाता नगर निगम (केएमसी) द्वारा लगाया गया है। करीब 19 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस चिड़ियाघर का उद्घाटन 24 सितंबर, 1875 को किया गया था। इसमें करीब 1,265 जानवर हैं।

सेनगुप्ता ने बताया कि देश के सबसे पुराने चिड़ियाघर को सोमवार को यह बैज प्राप्त हुआ। नीले फलक से लोग किसी इमारत की विरासत के दर्जे के बारे में जान पाते हैं। केएमसी ने पहले भारतीय संग्रहालय, तत्कालीन राज्य सचिवालय राइटर्स बिल्डिंग, जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) और गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट में नीले बैज लगाये थे। ये सभी प्रथम श्रेणी की विरासती इमारतें हैं। केएमसी के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नगर निकाय ने शहर में 350 से अधिक विरासत भवनों पर नीले फलक लगाये हैं। किसी स्थान के वास्तुशिल्प मूल्य, राष्ट्रीय और ऐतिहासिक महत्व को उसकी श्रेणीबद्ध विरासत स्थिति के लिए मापदंड माना जाता है।

प्रतापगढ़ में शंटिंग के दौरान ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतरे

प्रतापगढ़ (उप्र)/भाषा। यहां मां बेल्हा देवी धाम रेलवे जंक्शन के अंतर्गत जेल रोड क्रासिंग फाटक के पास शंटिंग के दौरान एक ट्रेन के दो एसी डिब्बे पटरी से उतर गए। डिब्बे पटरी से उतर जाने की वजह से क्रासिंग छह घंटे अवरुद्ध रही जिससे लोगों को आवागमन में असुविधा हुई। मां बेल्हा देवी धाम रेलवे जंक्शन के स्टेशन अधीक्षक ने बताया कि 12 डिब्बों वाली ट्रेन को सुबह 5:33 बजे शंटिंग पर लगाया जा रहा था। तभी जेल रोड क्रासिंग फाटक के पास इसके दो वातानुकूलित डिब्बे पटरी से उतर गए।

मैक्सवेल का खुलासा, कंधे की चोट का मजाक उड़ाने के लिए कोहली ने इंस्टाग्राम पर ब्लॉक किया था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने खुलासा किया है कि विराट कोहली ने उन्हें इंस्टाग्राम पर ब्लॉक कर दिया था क्योंकि 2017 बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान कंधे की चोट के बाद उन्होंने भारत के दिग्गज बल्लेबाज का मजाक उड़ाया था।

कोहली और मैक्सवेल तब तक अच्छे दोस्त नहीं थे जब तक कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी 2021 में आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) से नहीं जुड़ गया। बेंगलूरु की टीम ने उन्हें 14.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। मैक्सवेल ने कहा कि उन्होंने इंस्टाग्राम पर कोहली को फॉलो करने की कोशिश की लेकिन उन्हें पता चला कि उन्हें पूर्व भारतीय कप्तान ने ब्लॉक कर दिया है।

ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने 'लिस्टएनआर स्पोर्ट' पर विलो टॉक पॉडकास्ट के दौरान कहा, ''जब मुझे पता चला कि मैं आरसीबी में जा रहा हूं तो विराट मुझे मैसेज

करने वाले और टीम में मेरा स्वागत करने वाले पहले व्यक्ति थे। जब मैं आईपीएल से पहले के ट्रेनिंग शिविर के लिए आया तो हमने बातचीत की और साथ में काफी समय ट्रेनिंग में बिताया।'' उन्होंने कहा, ''तो मैं उसे फॉलो करने के लिए उसके सोशल मीडिया पर जाता हूं। इससे पहले मैंने इसके बारे में सोचा भी नहीं था। मेरे दिमाग में कभी यह बात नहीं आई। मैं देखा, मैं उसे नहीं ढूंढ़ सकता।''

ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा, ''मुझे यकीन है कि वह कहीं ना कहीं सोशल मीडिया पर है इसलिए मैंने इसके बारे में कुछ नहीं सोचा। ऐसा नहीं है कि शायद वह इंस्टाग्राम के बारे में नहीं जानता था।'' उन्होंने कहा, ''मुझे बिल्कुल समझ में नहीं आया कि वह क्यों नहीं मिल रहा और फिर, किसी ने कहा 'उसने तुम्हें ब्लॉक कर दिया होगा। यही एकमात्र तरीका है जिससे तुम उसे नहीं ढूंढ़ पाओगे।' मैंने सोचा, 'निश्चित रूप से नहीं'।''

भारत में 2017 टेस्ट शृंखला के दौरान कोहली को रांची मैच में क्षेत्ररक्षण के दौरान कंधे में चोट लगी थी। बाद में टेस्ट के दौरान मैक्सवेल ने कोहली की नकल करते हुए अपना दाहिना कंधा पकड़ लिया।

इसके बाद चोट के कारण धर्मशाला टेस्ट से बाहर रहे कोहली को यह पसंद नहीं आया।

मैक्सवेल ने कहा, ''मैंने उससे पूछा, 'क्या तुमने मुझे इंस्टाग्राम पर ब्लॉक किया है?' और उसने कहा था, 'शायद, हां। यह तब हुआ तब तुमने टेस्ट मैच के दौरान मेरा मजाक उड़ाया और मैंने तुम्हें ब्लॉक करने का फैसला किया'।'' उन्होंने कहा, ''मैंने कहा, 'हां, ठीक है।' इसके बाद उसने मुझे अनब्लॉक किया और हम इसके बाद बहुत अच्छे दोस्त बने।

फाइनल तक नहीं पहुंचने का दुख लेकिन कांस्य जीतने की खुशी : जूनियर हॉकी टीम कप्तान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान आमिर अली ने स्वीकार किया कि सुल्तान जोहोर कप के फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाने से वह दुखी हैं लेकिन कहा कि खाली हाथ लौटने से कांस्य पदक काफी अच्छा है । भारत ने तीसरे और चौथे स्थान के मुकाबले में न्यूजीलैंड को शूटआउट में हराकर मलेशिया के जोहोर बाहरू में हुए जूनियर टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता ।

अली ने कहा ,'' गोल औसत के आधार पर फाइनल से बाहर रहने का हमें दुख है लेकिन एक टीम के रूप में हमने तय किया कि पीछे मुड़कर देखने का कोई फायदा नहीं है । हमने कांस्य पदक के मुकाबले पर फोकस करने का फैसला किया और खुद से वादा किया कि हम खाली हाथ नहीं लौट सकते ।'' भारत पूरे टूर्नामेंट में अंकों के आधार पर शीर्ष पर रहा लेकिन आस्ट्रेलिया से 0 . 4 से हार के बाद गोल औसत में ब्रिटेन से एक गोल से पिछड़कर फाइनल में जगह नहीं बना सका। जूनियर टीम कोच के तौर पर महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश का यह पहला टूर्नामेंट था। अली ने कहा ,'' हमें श्री भाई (श्रीजेश) से बेहतर मेंटोर नहीं मिल सकता था । वह लगातार हमसे कहते रहे कि मैचों का मजा लो और हमने दबाव लिए बिना खेला । हमने गोल गंवाने के बाद वापसी की और वे मैच जीते भी ।''

सुविचार

ज़िन्दगी बदलने के लिए लड़ना पड़ता हैं, और आसान करने के लिए समझना पड़ता हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ढीली हुई पाक की अकड़

पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब का यह बयान इस मुल्क की अकड़ कुछ ढीली होने का संकेत देता है कि अपने पड़ोसी देशों के साथ व्यापार न करना 'अतार्किक' है। आखिर, पाकिस्तान के किसी मंत्री को होश तो आया! औरंगजेब आज यह बात कह रहे हैं, जबकि भारत की हर सरकार ने इस बात की कोशिशें की थीं कि दोनों देशों के संबंध मधुर हों तथा व्यापार बढ़े। निश्चित रूप से यह दोनों तरफ की जनता के हित में होता। व्यापार बढ़ेगा तो रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा होंगे, लोगों की क्रय क्षमता बढ़ेगी, गरीबी दूर होगी और खुशहाली आएगी। भारत सरकार ने पाकिस्तान को बहुत पहले एमएफएन का दर्जा दे दिया था, लेकिन इस पड़ोसी देश का रवैया हमेशा नकारात्मक ही रहा है। इसने व्यापार बढ़ाने के बजाय आतंकवाद को बढ़ावा दिया। भारत ने इसके बावजूद बहुत धैर्य से काम लिया। उसने पाक का एमएफएन दर्जा तब हटाया, जब फरवरी 2019 में पुलवामा में बहुत बड़ा आतंकवादी हमला हुआ था। उसमें स्पष्ट रूप से पाकिस्तान का हाथ था, जिसके बाद भारत सरकार का कड़ा रुख होना स्वाभाविक था। पाकिस्तान ने भी 'खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे' की तर्ज पर घोषणा कर दी थी कि हम भारत से व्यापार बंद करेंगे। वास्तव में वही क्षण था, जिसके बाद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का पहिया धीमा पड़ने लगा। हालांकि उससे पहले भी उसके हालात बहुत अच्छे नहीं थे, लेकिन इतने बुरे भी नहीं थे कि लोगों को आटा लेने के लिए लंबी-लंबी कतारें लगानी पड़ें। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का बंटाधार होना तब से शुरू हुआ था, जिसका 'श्रेय' तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान ख़ान को जरूर दिया जाना चाहिए। रही-सही कसर शहबाज शरीफ ने पूरी कर दी।

अब पाकिस्तान को समझ में आया है कि पड़ोसी देशों के साथ व्यापार करना चाहिए! सवाल है- पाकिस्तान व्यापार करना चाहेगा तो किस चीज का और किससे? उसने अपनी पूरी ऊर्जा आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगा दी। उसके यहां उद्योगों की हालत पहले ही खस्ता है। वहां व्यापार के अनुकूल माहौल नहीं है। पाक में नौजवानों से लेकर बुजुर्गों तक का ख़्वाब यह है कि किसी तरह यूरोप का वीजा लग जाए। पाकिस्तान ने अपने उद्योगों को विकसित कर उस स्तर तक पहुंचाया ही नहीं कि वे अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में मजबूती से टिक पाते। अगर वह भारत के साथ संबंधों को मधुर रखता तो उसकी अर्थव्यवस्था बहुत बेहतर स्थिति में होती। उसे भारत से काफी सहयोग मिलता। अब पाकिस्तान के मंत्री इस बात को लेकर अफसोस ही कर सकते हैं कि उनकी सरकार ने पड़ोसी देशों के साथ व्यापार को बढ़ावा नहीं दिया। व्यापार करेंगे भी किससे? अफगानिस्तान में तालिबान का राज है, जिसकी रुचि व्यापार में कम और लोगों को कोड़े लगाने में ज्यादा है। चीन के साथ पाकिस्तान एक तरह से घाटे का सौदा कर रहा है, क्योंकि उसके बाजारों में चीनी माल की खपत तो खूब हो रही है, लेकिन ऐसा कोई सामान चीन को निर्यात नहीं किया जाता, जिसकी वहां सख्त जरूरत हो। हां, हाल में इस बात की चर्चा जरूर हुई थी कि पाकिस्तान हर साल लाखों की तादाद में गधों का निर्यात करने की योजना बना रहा है, जिनकी चीन में मांग बढ़ गई है। पुलवामा हमले से पहले पाकिस्तान में सब्जी, मसालों, दवाइयों और रोजमर्रा के सामान की कीमतें बहुत कम थीं, क्योंकि ये चीजें भारत से जाती थीं। उसके बाद व्यापार बंद होने से वहां कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ गईं। पाक में हालात बिगड़ने लगे तो दवाइयों समेत कुछ सामान जरूर मंगवाया गया, लेकिन किसी अन्य देश के रास्ते! इससे परिवहन की लागत बढ़ गई। रह गया ईरान ... तो उसकी अर्थव्यवस्था अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण पहले ही काफी दबाव में है। उसके पास तेल और गैस के भंडार जरूर हैं, जिनका समुचित लाभ उसे नहीं मिल पा रहा है। पाकिस्तान में ईरानी तेल की तस्करी खूब होती है। उससे फौजी अफसर अपनी जेबें भरते हैं। सरकारी खजाने को कोई लाभ नहीं मिलता। अब मुहम्मद औरंगजेब हों या शहबाज शरीफ या जनरल आसिम मुनीर ... वे चाहें तो विदेशी राष्ट्राध्यक्षों की चौखटों पर हाथ फैलाएं और उनकी शर्तों पर कर्ज लेकर ज़लील हों ... या आतंकवाद फैलाना बंद करें, वांछित आतंकवादियों को भारत के हवाले करें, कश्मीर राग अलापना बंद करें और अपने मुल्क को बदहाली से बचाएं। फैसला आपका है।

ट्वीटर टॉक

दीपोत्सव के प्रारंभ पर्व धनतेरस पर सभी देशवासियों को अनंत मंगलकामनाएं। माँ लक्ष्मी और देव धन्वंतरि के आशीर्वाद से व्यक्ति-व्यक्ति के जीवन में खुशहाली एवं समृद्धि का वास हो, आरोग्य, ऐश्वर्य और उज्ज्वलता से हर घर-परिवार सम्पन्न हो।

-ओम बिरला

आधुनिक सुविधाओं से युक्त छ23.75 करोड़ की लागत से बनने जा रहे 'क्रिटिकल केयर ब्लॉक' से करौली सहित आसपास के क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर प्रदेश के स्वास्थ्य ढाँचे को और अधिक मज़बूती देगा।

-दीया कुमारी

सीकर के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में बस दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दु:खद एवं हृदयविदारक है। मेरी गहरी संवेदनाएं मृतकों के शोकसंतप्त परिवारजनों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

प्रसन्नता का राग

राजा अंबरीष वन में कहीं जा रहे थे। उन्होंने रास्ते में देखा कि एक युवक खेत में हल जोत रहा है तथा बड़ी मस्ती से भगवान का भजन गाता जा रहा है। राजा उसकी मस्ती से प्रभावित हुए तथा खेत की मेड़ पर खड़े हो गए। राजा ने पूछा, 'बेटा, तुम्हारी मस्ती देखकर मैं बहुत प्रसन्न हूं। इस अनूठी मस्ती का रहस्य क्या है?' युवक ने उत्तर दिया, 'दादा, मैं अपनी मेहनत की कमाई बांट कर खाता हूं। हर क्षण भगवान को याद कर संतुष्ट रहता हूं। इसलिए सदैव खुश और मस्त रहता हूं। मुझे लगता है कि जैसे भगवान हमेशा मुझ पर कृपा की बरसात करते रहते हैं।' राजा ने पूछा, 'तुम कितना कमा लेते हो? उसे किस तरह बांटते हो?' युवक ने बताया, 'मैं एक रुपया रोज कमाता हूं। उसे चार जगह बांट देता हूं। माता-पिता ने मुझे पाला-पोसा है। कृतज्ञता के रूप में उनको चार आने भेंट करता हूं। चार आने बच्चों पर खर्च करता हूं। चार आना मैं गरीबों, दिव्यांगों व बीमारों की सेवा में खर्च करता हूं, असहायों को दान देता हूं। चार आने में अपना व पत्नी का खर्च चलाता हूं।' राजा को अनपढ़ किसान युवक की मस्ती का रहस्य समझ में आ गया था।

सामयिक

यमराज के लिए दीपदान करने का पर्व नरक चतुर्दशी

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584

भारत में कार्तिक कृष्ण पक्ष में पांच पर्वों का जो विराट महोत्सव मनाया जाता है, महापर्व की उस श्रृंखला में सबसे पहले पर्व धनतेरस के बाद दूसरा पर्व आता है 'नरक चतुर्दशी'। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाए जाने वाले पर्व 'नरक चतुर्दशी' नाम में 'नरक' शब्द से ही आभास होता है कि इस पर्व का संबंध भी किसी न किसी रूप में मृत्यु अथवा यमराज से है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन यमराज का पूजन करने तथा व्रत रखने से नरक की प्राप्ति नहीं होती। दीवाली से ठीक एक दिन पहले मनाए जाने वाले इस पर्व की तिथि को लेकर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति है कि यह पर्व 30 अक्तूबर को मनाया जाएगा या 31 अक्तूबर को। हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी 30 अक्तूबर को दोपहर 1 बजकर 15 मिनट से शुरु हो रही है और चतुर्दशी तिथि अगले दिन यानी 31 अक्तूबर को दोपहर 3 बजकर 52 मिनट पर समाप्त होगी।

यम चतुर्दशी की पूजा चूंकि प्रदोष काल यानी शाम के समय ही की जाती है, इसीलिए नरक चतुर्दशी 30 अक्तूबर को ही मनाई जाएगी। इस दिन शाम 5 बजकर 30 मिनट से 7 बजकर 2 मिनट तक दीपदान का शुभ मुहूर्त है। 'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है।

यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में एक मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने प्रागज्योतिषपुर के 'राजा नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रात:काल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

विशेष

लेखन कला में असीमित सामर्थ्य

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

शब्दों की महिमा को अपरंपार और अक्षर को नश्वर बताया गया है ।वैसे तो लेखनी की तीव्रता तलवार से ज्यादा नुकीली और भाले से ज्यादा चुभने वाली होती है। तलवार की धार से मनुष्य एक बार बच भी सकता है पर लेखनी से लिखे गए शब्द व्यक्ति को मृत्यु सा मूर्छित कर देते है। इसीलिए चिंतकों ने कहा है बोलने से पहले और लिखने से पहले कई बार सोचें और बोलने के बाद सोचने वाला व्यक्ति समाज में मूर्खों की श्रेणी में गिना जाता है। राजनीति और कूटनीति में सारी जद्दोजहद शब्दावली और भाषणों की होती है कूटनीति में एक शब्द के कई अर्थ निकाले जाते हैं और उससे अपना हित अहित साधा जाता है।

मुंह से बोले गए शब्द और वाक्य बहुत सकारात्मक भी हो सकते हैं और बड़े ही भयंकर नकारात्मक भी हो सकते हैं। एक ही शब्द कहीं पर बड़े से बड़ा दंगा करवा सकते हैं और कहीं पर बोले गए प्यार के शब्द बड़े-बड़े विवादों में सुलह करा सकते हैं। शब्द की परिणति उसकी मुक्ति ही करती है। बड़े-बड़े राजनेता अभिनेता अपने मुंह से बोले गए शब्दों से लोकप्रियता के चरम पर पहुंच जाते हैं और कहीं किसी नेता के मुंह से निकला हुआ शब्द बाण समाज में विषाद और जहर भर देता है। शब्दों के जादूगर बड़ी-बड़ी आम सभाओं में सोच समझकर इस्तेमाल कर अपना सार्थक प्रभाव छोड़ते सत्ता परिवर्तन भी शब्दों के माया जाल से हि होता है। अंग्रेजी साहित्य में अरनेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना जाता था उनके शब्दों का प्रभाव सीधे पाठकों के दिल तक पहुंच जाता था इसी तरह हिंदी में तुलसीदास विश्वव्यापी कवि है उनकी वाणी में सत्य और अमृत है। आधुनिक हिंदी साहित्य मेंअज्ञेय जी को इसी श्रेणी में रखा जा सकता है उनकी शब्दावली कठिन होते हुए भी पढ़ने वालों के मर्म तक पहुंच जाती है। महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद हिंदी और देवनागरी लिपि को आत्मसात कर उपन्यास तथा कहानी और लिख कर अमृत्व को प्राप्त किया है। देवकीनंदन खत्री जी ने भी उपन्यासों खाकर चंद्रकांता संतति, भूतनाथ पढ़ने के लिए हिंदी को सीखा और मनन किया और लोकप्रिय उपन्यास की उत्पत्ति की, कबीर अपने फक्कड़पन की भाषा के कारण उत्तर भारत के सभी दिलों में समाए हुए हैं। निसंदेह शब्द जीवंतता प्रदान करते हैं और जीवनशैली को बेहतर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं और द्रौपदी द्वारा कहे गए शब्द महाभारत की उत्पत्ति का कारण बनते हैं। इसलिए सदैव कहा जाता है की संभलकर बोलने से सद्गति प्राप्त होती है। इसीलिए तो संभल कर सही और उपयुक्त शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। जो सदैव अच्छा वक्ता होता है अपने विचारों को संभल कर बोलता है भले ही वह दिलों को ना छुए पर उसका जनमानस को जीतना तय होता है और संसार पर वही राज करता है जो अपने शब्दों का सही इस्तेमाल करता है, गलत शब्द से, गलत संभाषण से गलत विचारों से बोला गया वाक्य प्रलय भी ला सकता है। शब्दों को तौल कर विचार कर बोलना चाहिए अन्यथा उसके नतीजे भयानक भी हो सकते हैं। शब्दों की मार बहुत ही तेज और बहुत मीठी भी होती है एक शब्द महायुद्ध करवा सकता है और दूसरा शब्द ऐसी शीतल फुहारें छोड़ता है कि सारा युद्ध उन्माद अखंड शांति में बदल जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अमेरिका रूस,जापान, यूरोपीय देशों में दिए वहां के राष्ट्रपति व राजनेताओं द्वारा दिए गए भाषणों संभाषणों से युद्ध और कई बार शांति स्थापित हुई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति प्रधानमंत्री तथा उनके कैबिनेट के मंत्री अपने दिए गए वक्तव्य से ही सारी दुनिया से अलग अलग हो गए हैं। और भड़काऊ भाषण के कारण आज दुर्गति को प्राप्त हुए हैं। भारत शांति का दूत माना जाता है शांति स्थापना की सदैव मीठी वाणी बोलता आया है और यही कारण है कि भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति का पुजारी एवं दूत कहा जाता है एवं सदैव अंतर्राष्ट्रीय विवादों में उनके राजनेताओं को मध्यस्थता अथवा समझौते के लिए आमंत्रित किया जाता रहा है। यही कारण है कि रूस यूक्रेन के लंबे युद्ध में विश्व के पूरे देश एवं रूस तथा यूक्रेन के राजनेता भी भारत की ओर युद्ध की शांति की पहल की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यही कारण है की युवा पीढ़ी को सदैव कम बोलने, सदाचारी संभाषण देने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है भारत की सांस्कृतिक तथा साहित्यिक विरासत को सत साहित्य और संतुलित भाषा का मनुष्य तथा समाज के विकास के लिए पर्याय माना गया है। इसीलिए संतुलित भाषा मीठी भाषा बोलने से सदैव समाज तथा देश का वातावरण विकास के अनुकूल होता आया है।

नजरिया

संघ कार्यकारी मंडल बैठक

संघ के तौर-तरीकों को समझना आवश्यक

अवधेश कुमार
मोबाइल : 98110 27208

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की दो दिवसीय बैठक के बाद मीडिया की सुर्खियां बनी कि संघ ने बंटेंगे तो कटेंगे वाले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान का समर्थन किया। संघ पिछले 99 वर्षों से हिंदू समाज की एकता के लक्ष्य पर काम कर रहा है तो इस वक्तव्य का समर्थन न करने का कोई कारण नहीं। मथुरा के दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र, गऊ ग्राम परखम में आयोजित दो दिवसीय बैठक के समापन अवसर पर संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसाबोले से पत्रकार वार्ता में यह प्रश्न किया गया था। उन्होंने कहा कि चाहे भाषा जो भी प्रयोग किया जाए यह सच है। संघ हमेशा से हिंदू एकता पर काम करता रहा है, हमें एकता का प्रयत्न करना होगा इसे आचरण में लाना है। हम जाति, भाषा, प्रांत, अगड़े पिछड़े में बटेंगे तो कटेंगे। हिंदू समाज की एकता संघ के लिए जीवन वृत्त है। हम इसके लिए आग्रहपूर्वक कहेंगे और करेंगे भी। जिस तरह मीडिया ने इसे चुनाव और राजनीति की दृष्टि से भाजपा की टैगलाइन का अनुसमर्थन साबित किया गहराई से देखें तो दत्तात्रेय ने व्यापक संदर्भों में बात की। इस संदर्भ में उनकी अगली पंक्तियां भी महत्वपूर्ण हैं- अपने को बचाए रखने और दुनिया का मंगल करने के लिए हम हिंदू एकता चाहते हैं। हिंदू एकता लोक कल्याण और सबको सुख प्रदान करने वाली। यानी हिंदू एकता का लक्ष्य किसी मजहब, पंथ या देश का विरोध नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता का कल्याण और विश्व का मंगल है। वह एक नहीं रहेंगे तो स्वयं कटेंगे विश्व के लिए भी अमंगलकारी होगा। इसलिए राजनीति और वोट की दृष्टि से इसका महत्व है, क्योंकि विपक्षी पार्टियों और भारत विरोधी आंतरिक और बाहरी शक्तियों ने जाति के आधार पर बांटकर अपना राजनीतिक, आर्थिक और अन्य लक्ष्य पाने की रणनीति अपनाया हुआ है। भारत विरोधी शक्तियों ने यह समझा है कि हिंदू अगर जातियों से ऊपर उठकर हिंदू के रूप में विचार करने लगा तो भारत को विश्व की प्रमुख महाशक्ति और प्रभावी देश बनने से नहीं रोका जा सकता। ऐसा हो गया तो वो अपने स्वार्थों को पूरा करने वाली जैसी विश्व व्यवस्था बनाए रखना चाहते हैं, नहीं रह जाएगा। इसलिए यह कामना कि हिंदू समाज एक होकर सोचें, चुनावों के दौरान मतदान करें तथा जाति, प्रांत, भाषा में न बंटे यह भारत के हित में ही है।

हालांकि दत्तात्रेय के पूरे वक्तव्य में राजनीति और चुनाव की बात नहीं थी। यह हो भी नहीं सकती क्योंकि जिन लोगों ने निष्पक्षता से संघ को देखा व अध्ययन किया है उन्हें पता है कि मीडिया और हम विचार केंद्र में जिस तरह वोट और राजनीति को सर्वोपरि रखते हैं वैसा संघ में होता नहीं। कार्यकारी मंडल की बैठक संघ की प्रमुख वार्षिक बैठकों में होती है जो सरसंचालक के विजयादशमी वक्तव्य के बाद आयोजित होती रही है। इसमें भविष्य की दृष्टि से लक्ष्य निर्धारित होते हैं तथा पिछले वर्ष के कार्यों का लेखा-जोखा भी । पत्रकार वार्ता में होसाबोले ने कहा कि पिछले मार्च में हुई प्रतिनिधि सभा की समीक्षा की गयी। शाखा में आने वाले व हर समूह के कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण वर्ग आयोजित होता है, इस वर्ष कार्यकारी मंडल बैठक से पूर्व दो दिन का प्रांत टोली का प्रशिक्षण वर्ग हुआ। वर्तमान संदर्भ और संघ से जुड़े विविध आयामों के कार्य विस्तार पर चर्चा के साथ आने वाले दिनों में हमें क्या-क्या करना है, नये विचार कैसे जुड़ेंगे, समाज के नये व्यक्तियों को कैसे जोड़ना है, विभिन्न आयु वर्ग के लोगों को जोड़ना और जुड़े हुए लोगों से कार्य विस्तार कैसे हो, इसकी भी चर्चा बैठक में हुई है। संघ 99 वर्ष पूर्ण करते हुए शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर चुका है। शताब्दी की दृष्टि से तत्काल संघ पंच परिवर्तन का मुद्दा लेकर समाज के बीच जा रहा है। पंच परिवर्तनों में स्व आधारित जीवन शैली, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण और नागरिक कर्तव्य शामिल हैं। यह ऐसा विषय है जिस पर केंद्रित होकर भारत का कोई संगठन काम नहीं करता। समस्या यह है कि हमारे राजनीतिक दल, मीडिया तथा बुद्धिजीवियों और एक्टिविस्टों का बहुत बड़ा वर्ग अज्ञानता , निहित स्वार्थों या संकुचित दृष्टि के कारण संघ की आलोचना करता है और संघ खंडन या स्पष्टीकरण में पड़ने की जगह लक्ष्य के अनुरूप काम करता रहता है। इसी कारण उसका सतत विस्तार भी हुआ है। होसाबोले ने सही कहा कि संघ के कार्य का मूल आधार है शाखा। कुछ आंकड़े देखिए।, इस समय 45 हजार 411 स्थानों पर 72,354 शाखाएं चल रही हैं। पिछले वर्ष की तुलना में 3626 स्थान और 6645 शाखाएं बढ़ी हैं।साप्ताहिक मिलन की संख्या 29 हजार 369 रही। यानी पिछले वर्ष से 3 हजार 147 अधिक की वृद्धि। जहां शाखा नहीं लगती वहां मासिक संघ मंडली का काम है। अभी 11 हजार 382 स्थानों पर संघ मंडली है, जो पिछले वर्ष से 750 अधिक है। इस तरह कुल मिलाकर देखें तो अभी 1 लाख 13 हजार 105 ईकाइयों के रूप में संघ है।

ध्यान रखिए, कार्यकारी मंडल के साथ ही आयोजन संपन्न नहीं हुआ। 27 अक्टूबर को क्षेत्र प्रचारकों व प्रांत प्रचारकों की बैठक हुई जिसमें पंच परिवर्तन के विषय को समाज के अंतिम पायदान पर कैसे पहुंचाया जाए इसका लक्ष्य तय हुआ। यानी कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से संयुक्त परिवारों को बचाने के लिए स्वयंसेवक घर-घर जाएंगे, परिवार आपस में संवाद बनाए रखें एक साथ भोजन की परंपरा निभाएं इसके लिए लोगों को समझाएंगे। इसी तरह पर्यावरण रक्षा के प्रति प्रत्येक व्यक्ति को सचेत करना तथा नागरिक कर्तव्य समझाना है। सामाजिक समरसता और स्वदेशी के लिए भी लोगों को जागरूक करने का लक्ष्य हुआ। जैसा हम जानते हैं कार्यकारी मंडल में ओटीटी प्लेटफॉर्म और इंटरनेट को लेकर गहरी चिंता प्रकट की गई जो भारत के पारिवारिक, सामाजिक विभाजन, कुसंस्कार पैदा करने तथा अन्य प्रकार की अवांछित गतिविधियों का कारण बन रहा है। यह भी तय किया गया कि आपत्तिजनक सामग्रियों के बारे में बच्चों पर पड़ने वाले कुसंस्कारों की जानकारी देनी है। सरसंघचालक ने विजयादशमी के वक्तव्य में इसकी चर्चा थी, फिर कार्यकारी मंडल में हुई, दत्तात्रेय ने पत्रकार वार्ता में यह विषय रखा और उसे जमीन पर उतारने की योजना बनी। दत्तात्रेय का कहना था कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होनी चाहिए, पर इस पर एक नियामक भी बनाने की जरूरत है। सरकार तो इस ओर ध्यान देगी ही, समाज को भी संस्कारों में वृद्धि करके इस ओर ध्यान देना चाहिए। कौन संगठन इतने बड़े खतरे को देखते और समझते हुए भी इस तरफ फोकस करके काम करने को अग्रसर है? यहीं पर समापन नहीं हुआ। इसके अगले दिन संघ की कार्यकारिणी की बैठक हुई जिसमें कार्यकारी मंडल बैठक की समीक्षा की गई। कार्यकारी मंडल की बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ क्षेत्र और प्रांत के पदाधिकारी होते हैं जबकि कार्यकारिणी में अखिल भारतीय पदाधिकारी के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल होते हैं। संघ की हर बैठक में बांग्लादेश के हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा विचार के केंद्र में रहता है और इनमें भी था। अगर होस बोले ने कहा किहिन्दू समाज को वहां से पलायन करने की जरूरत नहीं है, वे वहीं डटे रहें, वह उनकी भूमि है और यह भी कि जहां भी संकट आता है, हिन्दू भारत की ओर देखता है तो मानकर चलिए कि संघ अपनी क्षमता के अनुसार इसकी हर स्तर पर कोशिश भी कर रहा होगा। विरोधियों को संघ की इसी कार्य पद्धति से सीखने की आवश्यकता है। आमतौर पर राजनीति और अन्य कई क्षेत्रों के लोगों को समझ नहीं आता कि संघ के लोग बार-बार चरित्र निर्माण की बात क्यों करते हैं। दत्तात्रेय ने कहा कि संघ चरित्र निर्माण का कार्य करता है , जो केवल चर्चाओं में नहीं वरन आचरण में दृष्टिगोचर होता है। आपदा के समय अपनी सीमाओं और संसाधनों के साथ मोर्चा संभालने में स्वयंसेवक हमेशा दिखते हैं। संघ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल में आए तूफान में 25,000 परिवारों की स्वयंसेवकों ने राहत शिविरों में सेवा की, उड़ीसा बाढ़ के दौरान 4 हजार परिवारों को स्वास्थ्य और भोजन आदि सहायता पहुंचायी, जुलाई में वायनाड़ और कर्नाटक में भूस्खलन में एक-एक हजार स्वयंसेवक लगे और सहायता कार्य किए, बड़ोदरा, जामनगर, द्वारका बाढ़ में भी स्वयंसेवकों ने भोजन आदि की व्यवस्था की, इनमें 600 मृतकों का अंतिम संस्कार भी कराया आदि आदि। केवल हिंदू नहीं सभी समुदायों के लोगों को उनकी पद्धति के अनुसार स्वयंसेवकों ने अंतिम संस्कार कराया तो विरोधी विचारें कि उनके द्वारा बार-बार संघ को सांप्रदायिक या दूसरे मजहबों का विरोधी बताना क्या झूठ नहीं?

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत, स्पेन को खुले एवं सुरक्षित हिंद-प्रशांत निर्माण में योगदान देना चाहिएः पेड्रो सांचेज

मुंबई/भाषा

दक्षिण चीन सागर में बीजिंग की आक्रामकता के बीच नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज ने मंगलवार को कहा कि उनके देश और भारत को एक खुले और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के निर्माण में योगदान देना चाहिए।

मुंबई में स्पेन-भारत फोरम और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सांचेज ने कहा कि नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था खतरे में है और इसलिए मैड्रिड और नई दिल्ली को बहुपक्षीय संस्थाओं की रक्षा करनी चाहिए और उन्हें मजबूत बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया की शक्ति का केंद्र एशिया की ओर स्थानांतरित हो गया है, जहां भारत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सांचेज ने घोषणा की कि स्पेन एशिया के लिए एक नई रणनीति शुरू करने पर काम कर रहा है, जो दुनिया के सबसे बड़े महाद्वीप के साथ उनके देश के संबंधों को मजबूती प्रदान करेगा।

भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए सांचेज ने कहा कि दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद का 36 प्रतिशत हिस्सा मध्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण क्षेत्र दुनिया की 60 प्रतिशत आबादी और वैश्विक समुद्री व्यापार का 50 प्रतिशत हिस्सा है, जो समुद्री डकैती, आतंकवाद, प्राकृतिक आपदाओं, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध मछली पकड़ने जैसी सुरक्षा चुनौतियों का सामना करता है। उन्होंने कहा कि चूंकि इस क्षेत्र में तेल, मत्स्य पालन और महत्वपूर्ण खनिज भंडार जैसे महत्वपूर्ण रणनीतिक प्राकृतिक संसाधन हैं, इसलिए यहां सुरक्षा चुनौतियां अधिक महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, ''इसलिए, हमें नौवहन और ओवरफ्लाइट की स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए। भारत और स्पेन को एक सुरक्षित हिंद-प्रशांत में योगदान देना चाहिए।''

सांचेज ने कहा कि देशों के बीच शांतिपूर्ण अस्तित्व सुनिश्चित करने के लिए, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रों की संप्रभुता जैसे सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और स्पेन को नागरिकों की सुरक्षा और जरूरतमंद लोगों को मानवीय सहायता पहुंचाने और मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करना चाहिए।

सांचेज ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में असाधारण क्षमता है, लेकिन इस परिवर्तनकारी तकनीक के दुरुपयोग के जोखिम का आकलन करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सांचेज ने कहा, ''जैसे-जैसे हमारे देश अपनी तकनीकी क्षमताओं में सुधार करते हैं, एआई सहयोग प्रमुख क्षेत्रों को बदल सकता है। यह हमारे लोकतंत्रों को खतरा पहुंचाने वाली झूठी सूचनाओं के प्रसार से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने में भी मदद कर सकता है।'' उन्होंने कहा कि एआई में अंतरराष्ट्रीय सहयोग एक सुरक्षित, अधिक समतावादी और खुली दुनिया के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा, ''एआई को नैतिक होना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए मजबूत नैतिक मानक और जवाबदेही तंत्र स्थापित करना चाहिए कि यह मानवाधिकारों का सम्मान करे और सामाजिक भलाई को बढ़ावा दे।''

सांचेज ने कहा, ''हम सभी को डिजिटल प्रौद्योगिकी और एआई के वैश्विक शासन के लिए इस व्यापक ढांचे की स्थापना में भाग लेना चाहिए।''

कार्बन उत्सर्जन स्तर को नगण्य करके ही वैश्विक औसत तापमान को स्थिर करना संभव : अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा

शोधकर्ताओं का मानना है कि केवल कार्बन उत्सर्जन के स्तर को नगण्य करके ही वैश्विक औसत तापमान को स्थिर किया जा सकता है। जर्मनी के पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च (पीआईके) के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन के हवाले से जानकारी दी है कि दुनिया के लगभग 30 प्रतिशत वैसे क्षेत्रों का कार्बन उत्सर्जन स्तर नगण्य हो चुका है जहां अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, इनमें से कई देश यूरोप से हैं।

शोध में कहा गया है कि इसके विपरीत, उत्तरी अमेरिका और एशिया ने पिछले दशकों में अधिक उतार-चढ़ाव वाले विघटन के रुझान दिखाए हैं, जबकि पिछले दशक में सुधार देखा गया था।

वर्ष 2050 तक उत्सर्जन के स्तर को शून्य तक लाना 2015 के पेरिस समझौते के लक्ष्यों में से एक है और इसका उद्देश्य उत्सर्जित कार्बन और अवशोषित कार्बन के बीच संतुलन बनाना है। वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि को 1.5 से दो डिग्री सेल्सियस के बीच सीमित करना महत्वपूर्ण माना जाता है, जिसे व्यापक रूप से 'पेरिस समझौते के तापमान लक्ष्य' के रूप में जाना जाता है। पीआईके के शोधकर्ता एवं ''प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज'' नामक पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के सह-लेखक एंडर्स लीवरमैन ने कहा, ''वैश्विक औसत तापमान का स्थिर होना केवल कार्बन उत्सर्जन के स्तर को नगण्य करके ही संभव है। इसका मतलब यह है कि अगर अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ाना है तो उन्हें कार्बन उत्सर्जन से अलग होना होगा।''

शोधकर्ताओं ने दुनिया भर के 1,500 उप-राष्ट्रीय (या राष्ट्रीय स्तर से नीचे) क्षेत्रों के आर्थिक आउटपुट का विश्लेषण किया, जहां प्रति व्यक्ति सकल क्षेत्रीय उत्पाद (जीआरपी) बढ़ रहा था, जो वैश्विक उत्सर्जन का 85 प्रतिशत था।

यह सोचना गलत है कि हैरिस भारत से अधिक दूरी रखेंगी : नीरा टंडन

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की एक शीर्ष भारतीय अमेरिकी सलाहकार ने कहा है कि यह सोचना गलत है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भारत सरकार के साथ अधिक दूरी बना कर रखेंगी।

हैरिस प्रशासन के अंतर्गत भारत-अमेरिका संबंध के बारे में भारतीय अमेरिकी समुदाय के एक समूह की चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति की घरेलू नीति सलाहकार नीरा टंडन ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, ''हां, यह मुझे थोड़ा अजीब लगता है।''

टंडन ने कहा, ''आप एक ऐसी महिला के बारे में बात कर रहे हैं जो वास्तव में भारत गई है, वहां वह पली बढ़ी हैं, जिनके पास इसका अनुभव हैं। उनके पास अपने नाना की यादें हैं जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन का समर्थन किया था। वह सुबह अपने नाना-नानी के साथ सैर पर जाती थीं जहां वे राजनीति और भारत में स्वतंत्रता के आह्वान से संबंधित इसके प्रभाव के बारे में बात करते थे।'' कमला हैरिस की मां भारत के चेन्नई शहर से हैं। टंडन ने कहा, ''मेरा मतलब है कि अमेरिकी इतिहास में हमारे पास ऐसा कोई नेता नहीं है, जिसके पास इस तरह के अनुभव हों। वह एक ऐसी व्यक्ति हैं जिनके रिश्तेदार भारतीय हैं। यह सोचना बिल्कुल गलत लगता है कि वह भारत सरकार से कम नजदीकी रखेंगी या अधिक दूरी बरतेंगी।'' उन्होंने कहा कि भारतीय अमेरिकी समुदाय से जो मुद्दे वे सुनती हैं, वे वास्तव में समान अवसर के बारे में हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे समुदाय के बहुत से लोग अप्रवासी के रूप में यहां आते हैं। वे अवसर की तलाश में यहां आते हैं। यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि उन्हें भी बाकी सभी लोगों के समान अवसर मिलें। उनमें से बहुत से उद्यमी हैं। उन्होंने (बाइडन-हैरिस प्रशासन ने) वास्तव में छोटे व्यवसायों के समर्थन पर ध्यान केंद्रित किया है।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने (बाइडन-हैरिस प्रशासन ने) शिक्षा की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता पर भी बहुत ध्यान केंद्रित किया है, क्योंकि मुझे लगता है कि हमारा समुदाय विशेष रूप से अच्छी गुणवत्ता वाले स्कूलों और उच्च शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने पर केंद्रित रहा है।''

साक्षात्कार के दौरान टंडन ने कहा कि उपराष्ट्रपति हैरिस यथासंभव समावेशी होने और व्यावहारिक परिणामों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हैरिस एक ''शानदार'' नेता हैं। टंडन ने कहा, ''वह व्यावहारिक परिणामों और यथासंभव समावेशी होने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।''

राष्ट्रपति की करीबी सहयोगी टंडन, हैरिस को उस वक्त से जानती हैं जब वह कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल थीं और दोनों के बीच अक्सर बातचीत होती रहती है। हैरिस अब डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं।

फिल्म 'जीरो से रीस्टार्ट' 13 दिसंबर को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 'जीरो से रीस्टार्ट' 13 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विधु विनोद चोपड़ा '12वीं फेल' की सफलता के बाद फिल्म 'जीरो से रीस्टार्ट' लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म '12वीं फेल' का प्रीक्वल है।विधु विनोद चोपड़ा फिल्म्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर 'जीरो से रीस्टार्ट' का मोशन पोस्टर शेयर हुआ है। पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा गया है, 'आपने 12वीं फेल देखी और उसे पसंद किया, अब उस कहानी की खोज करें कि कैसे यह लगभग कभी नहीं बनी और एक दृढ़ निश्चयी फिल्ममेकर जिसने कभी हार नहीं मानी!

विधु विनोद चोपड़ा प्रस्तुत करते हैं, जीरो से रीस्टार्टजीरो से रीस्टार्ट 13 दिसंबर को सिनेमाघरों में। 'जीरो से रीस्टार्ट' फिल्म के बारे में विधु विनोद ने कहा कि, 'मेरे लिए यह ड्रॉइंग बोर्ड पर वापस जाने और शून्य से शुरू करने जैसा है। मैं इस कहानी को उन सभी लोगों के साथ साझा करना चाहता हूं, जिन्होंने कभी अपने जीवन में बाधाओं का सामना किया है। मैं उन्हें कभी हार न मानने और प्रयास करते रहने के लिए कहना चाहता हूं! जैसा कि हम कहते हैं लगे रहो।

खरीददारी

06-नई दिल्ली में मंगलवार को धनतेरस के दौरान लोग करोल बाग में एक आभूषण की दुकान पर सोने के आभूषण खरीदते हुए।

जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला मंगलवार को श्रीनगर में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी में भाग लेते हुए।

सलमान खान की फिल्म वांटेड से सिंघम बनाने की प्रेरणा मिली : रोहित शेट्टी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार रोहित शेट्टी का कहना है कि सलमान खान की सुपरहिट फिल्म वांटेड से उन्हें सिंघम बनाने प्रेरणा मिली। रोहित शेट्टी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सिंघम अगेन को लेकर चर्चा में हैं।फिल्म सिंघम अगेन, सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है।फिल्म सिंघम अगेन में सलमान खान के कैमियो को लेकर भी काफी चर्चा है।रोहित शेट्टी ने बताया है कि सलमान खान की फिल्म वांटेड देखने के बाद उन्हें सिंघम बनाने की प्रेरणा मिली थी।

एक थ्रोबैक वीडियो में रोहित शेट्टी कहते नजर आ रहे हैं कि, मैं तुम्हे बता दूं की मैने सिंघम, वांटेड की वजह से बनाई। यह वह दौर था जब मल्टीप्लेक्स चलन में आया था।

यह 2009 की बात है, मैं ऑल द बेस्ट बना रहा था। पीवीआर अभी-अभी खुला था, नया-नया। और उस समय कोई भी बड़े पैमाने पर एक्शन फ़िल्म नहीं बना रहा था। और वांटेड एक अंडरडॉग थी जो आई।मेरा मानना था कि मास एंटरटेनर बनाने का समय वापस आ गया है, क्योंकि अभी मल्टीप्लेक्स में भी सीटिया और ताली बजने लगी है। और फिर, हमने 2011 में सिंघम बनाई।

अनुष्का सेन ने समझाया फैशन का मतलब है अभिव्यक्ति

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनुष्का सेन के लिए फैशन के मायने स्टाइलिश कपड़ों से कहीं बढ़कर है। उनके हिसाब से यह खुद को व्यक्त करने का तरीका है। नव्या नंदा के एंटरप्रेनारी और अबू संदीप के गुलाबो द्वारा आयोजित फैशन शो में अनुष्का ब्लैक एंड व्हाइट आउटफिट में नजर आईं। उन्होंने अपने लुक को श्रग से पूरा किया। अनुष्का ने कहा, मैं एंटरप्रेनारी बाय नव्या नंदा और गुलाबो बाय अबू संदीप शोकेस के लिए पहली बार रैंप पर चलने को लेकर उत्साहित थी और इनकी आभारी भी हूं। मेरे लिए फैशन कपड़ों से इतर है। यह अपने आप को व्यक्त करने का अच्छा तरीका है यानि ये बताने का कि हम कौन हैं।'' अभिनेत्री ने कहा कि वह सही अवसर और पल का इंतजार कर रही थीं। उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम एक सपने के सच होने जैसा था, खासकर इसलिए क्योंकि यह महिला उद्यमियों की मदद करने के लिए था। इसका एक और कारण भी था और वो था अबू जानी संदीप खोसला के लिए वॉक करना, जो मेरे पसंदीदा डिजाइनर्स हैं।'' अनुष्का ने अमिताभ बच्चन की पोती नव्या के साथ अपनी मुलाकात को एक शानदार अनुभव बताया। मैंने पूरे दिल से उस पल को अपनाया और उस अद्भुत अवसर के लिए मैं आभारी हूं। नव्या से मिलना मेरे लिए एक शानदार अवसर था। इस महीने की शुरुआत में अनुष्का ने सोशल मीडिया पर दुर्गा पूजा से एक शानदार फोटो शेयर की थी। वह साड़ी और बड़े झुमके में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने साड़ी में अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसका शीर्षक था, दुर्गा पूजा 2024। अनुष्का सेन एक भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री हैं, जिन्हें बाल कलाकार के तौर पर काफी लोकप्रियता मिली। उन्हें हाल ही में दक्षिण कोरियाई पर्यटन के लिए आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। उन्होंने 2009 में भारतीय टेलीविजन पर यहाँ मैं घर घर खेली शो से अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने देवों के देव... महादेव में बाल पार्वती की भूमिका निभाई थी। 2012 में, उन्होंने टीवी शो बालवीर में मेहर के अपने किरदार से लोगों का दिल जीत लिया था। इसके अलावा, उन्होंने खूब लड़ी मर्दानी – झांसी की रानी थी में मणिकर्णिका का किरदार निभाया। अनुष्का वेब सीरीज दिल दोस्ती डिलेमा में भी नजर आ रही है। यह तीन दोस्तों की जिंदगी की कहानी है, जो प्राइम वीडियो पर भी स्ट्रीम हो रही है। उन्होंने हाल ही में क्रश नामक एक अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट पर काम किया, जिसमें उन्होंने ओलंपिक रजत पदक विजेता किम ये जी के साथ अभिनय किया है।

परेश रावल ने फिल्म 'द ताज स्टोरी' की शूटिंग पूरी की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता परेश रावल ने तुषार अमरीश गोयल द्वारा निर्देशित फिल्म द ताज स्टोरी की शूटिंग पूरी कर ली है। देहरादून, उत्तराखंड और आगरा के प्रतिष्ठित ताजमहल और उसके आसपास के वास्तविक स्थानों पर द ताज स्टोरी की शूटिंग के बाद, फिल्म प्रोडक्शन ने जश्न मनाया।निर्माता सीए सुरेश झा, लेखक-निर्देशक तुषार अमरीश गोयल और क्रिएटिव प्रोड्यूसर विकास राधेशम सहित फिल्म के कलाकारों और क्रू ने केक काटकर जश्न मनाया। द ताज स्टोरी में परेश रावल के साथ, जाकिर हुसैन ,अमृता खानविलकर ,अखिलेंद्र मिश्रा, बिजेंद्र काला, शिशिर शर्मा, श्रीकांत वर्मा और अभिजीत लेहरी की भी अहम भूमिका है।

पुलकित सम्राट ने कृति खरबंदा को 'ड्रामा क्वीन' बताया

मुंबई/एजेन्सी। बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी पत्नी कीर्ति खरबंदा के जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनायें देते हुये अपनी ड्रामा क्वीन बताया है। पुलकित सम्राट ने कृति खरबंदा को जन्मदिन की बधाई देने के लिये अपने इंस्टाग्राम पर मनमोहक तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की, और उन्हें अपनी ड्रामा क्वीन कहा।अपने पोस्ट में पुलकित ने अपनी पत्नी कृति के साथ की कई प्यारी तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में दोनों एक खूबसूरत झरने के सामने पोज देते नजर आ रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में कृति खरबंदा बाथरोब में सोफे पर बैठी हुई है और उनके हाथ में एक कप है, जिसमें पुलकित सम्राट चाय डालते हुए दिख रहे हैं। पोस्ट में उनकी शादी के जश्न की तस्वीरें भी शामिल हैं।

आंखों की गुस्ताखियां में नजर आएंगे विक्रांत मैसी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में काम करते नजर आयेंगे।

फिल्म 12वीं फेल की सफलता के बाद से विक्रांत मैसी सुर्खियों में बने हुये हैं। विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती एक्सप्रेस जल्द हीं रिलीज होने जा रही है। विक्रांत मैसी ने एक और नई फिल्म साइन कर ली है, जिसका नाम आंखों की गुस्ताखियां है।इस फिल्म की कहानी एक लव स्टोरी पर आधारित होगी जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है।इस फिल्म के जरिए शनाया कपूर पहली बार बड़े पर्दे पर आएंगी। फिल्म आंखों की गुस्ताखियां का निर्माण मानसी और वरुण बागला अपने बैनर मिनी फिल्म्स के तहत कर रहे हैं। संतोषी सिंह इसके निर्देशक हैं। विक्रांत मैसी ने कहा, एक लवर ब्वॉय की भूमिका निभाना एक रोमांचक चुनौती है। आंखों की गुस्ताखियां का स्टेल बहुत ही ग्रैंड है। एक रोमांटिक लीड के रूप में मानसी का मुझ पर विश्वास लगातार बना हुआ है और हम साथ मिलकर कुछ खास बना रहे हैं। इस अविश्वसनीय अवसर के लिए मैं मानसी और वरुण बागला को धन्यवाद देता हूं और संतोष सिंह के साथ फिर से काम करना बहुत ही क्रिएटिव होने वाला है। इस फिल्म में लोगों का दिल जीतने के सभी तत्व हैं और मैं शनाया की पहली फिल्म में उनके साथ काम करने के लिए वास्तव में उत्साहित और उत्सुक हूं।' फिल्म आंखों की गुस्ताखियां को निरंजन अयंगर और मानसी बागला ने लिखा है। यह फिल्म रस्किन बॉन्ड की एक शॉर्ट स्टोरी पर आधारित है। यह फिल्म 2025 में रिलीज होगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं के लिए 'ज्ञान की रोशनी' नामक कार्यशाला का आयोजन हुआ। साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि ज्ञान एक पवित्र चीज है, स्वाध्याय करने से ज्ञान रूपी रोशनी मिलती है, हमें सत साहित्य का स्वाध्याय करना चाहिए।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु कला दर्पण आर्ट रिफ्लेक्स द्वारा कन्नड़ साहित्य परिषद सभागार में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में महेंद्र मुणोत को उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दिए जा रहे सहयोग व सेवाओं के लिए 'कला दर्पण राज्योत्सव कन्नड़ सेवा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों ने जानी हस्तलेखन विज्ञान की उपयोगिता और महत्त्व

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के इंडियन अकादमी में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और रोजगार चयन में हस्त लेखन विज्ञान (ग्राफोलोजी) की उपयोगिता और महत्त्व के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। अकादमी के प्राचार्या डॉ एन तिलिका ने अध्यक्षता की। कार्यशाला का संयोजन प्रोफ़ेसर महेंद्रकुमार ने किया। कार्यशाला में व्याख्यान हेतु उपस्थित ग्राफोलोजिस्ट, साहित्यकार और अनुवाद विशेषज्ञ डॉ. रंजीत कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हस्त लेख को सुधार कर छात्र अपने जीवन का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं और पारिवारिक और सामाजिक जीवन को मूल्यवान बना सकते है। यह विज्ञान ज्ञान और कौशल के संवर्धन और बौद्धिक क्षमता के विकास में काफी उपयोगी सिद्ध होता है। हस्त लेख विश्लेषण से विद्यार्थी अपनी सही व्यक्तित्व को समझ सकता और अपने जीवन की वास्तविकता को जान सकता है।सही मायने में हस्तलेख मानव के व्यक्तित्व का दर्पण होता है।

यह विज्ञान छात्रों के व्यक्तित्व विकास और अध्ययन कौशल को नया रूप प्रदान करता है। इस मौके पर मुख्य वक्ता का सम्मान किया गया तथा विद्यार्थियों से और अधिक जानकारी प्राप्त की।

प्रमाद ही सभी दुखों की जड़ है : विनयमुनि

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री विनयमुनिजी ने उत्तराध्ययन सूत्र का मूल पाठ तथा 45 जाप करते हुए कहा कि प्रमाद ही सभी दुखों की जड़ है। दु:ख का निर्माण जीव-प्राणी खुद करता है। प्रमाद दु:खों की जननी है और अप्रमाद सुखों की खान है। पांच भेद प्रमाद के बताए है यथा मद, विषय, कषाय, निद्रा और विकथा इन पांचों ने जीवन को अशांत कर रखा है। सिर पर चढ़ा रहता है मद। जिस प्रकार हाथी के गंड स्थल सिर से जब मद झरता है तब हाथी को नियन्त्रित रखना बहुत ही मुश्किल होता है, ठीक उसी प्रकार आज की जीवनशैली में प्राय: लगभग सभी मानवों को चाहे बच्चा हो, युवा हो, बुजुर्ग हो, श्रावक हो, या साधु हो, प्राय: अहंकार (मह) सिर में चढ़ा रहता है। क्षणिक पंतग या गुब्बारा जैसे ऊंचाई पर पहुंच भी जाए तो भी जमीन पर तो आना ही पड़ेगा। संसारी को मद चढ़ा कोई अनहोनी नहीं है। मद करता वंश गया जिसके जींवत उदाहरण है रावण, कौरव, कंस। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

एकता दिवस पर हुआ शपथ ग्रहण कार्यक्रम

जयपुर्। राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत 29 अक्टूबर 2024 को प्रातः 11:00 बजे कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पार्क में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया । जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता तथा सुरक्षा को बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई। साथ ही सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी ।

ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं के लिए आयोजित हुई 'ज्ञान की रोशनी' कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं के लिए 'ज्ञान की रोशनी' नामक कार्यशाला का आयोजन हुआ। साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि ज्ञान एक पवित्र चीज है, स्वाध्याय करने से ज्ञान रूपी रोशनी मिलती है, हमें सत साहित्य का स्वाध्याय करना चाहिए। ज्ञान रूपी रोशनी से स्वयं के भीतर का अंधकार मिटता है। प्रशिक्षिकाएं अपने ज्ञान को ठोस एवं गहरा बनाए जिससे वह अपने मूल को सुरक्षित रख सकती है। साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने सम्यक ज्ञान का महत्व बताया। सम्यक ज्ञान से हम अपने भीतर के द्वीप को प्रज्ज्वलित कर सकते हैं। साध्वीश्री ने कहा कि वे प्रशिक्षिकाएं सौभाग्यशाली हैं जिनको गुरु के सान्निध्य में सम्मानित होने का अवसर प्राप्त हुआ।

साध्वीश्री भव्ययशाजी ने प्रशिक्षिकाओं के श्रम की सराहना की। ज्ञानशाला प्रकोष्ठ के अंतर्गत स्नातक उत्तीर्ण प्रशिक्षिकाओं का सम्मान भी किया गया। केंद्र द्वारा बेंगलूरु के राजराजेश्वरीनगर ज्ञानशाला को श्रेष्ठ ज्ञानशाला एवं मुख्य प्रशिक्षिका मंजू गन्ना को श्रेष्ठ प्रशिक्षिका सम्मान से सम्मानित किया गया। आंचलिक संयोजक माणक संचेती ने अपने विचार व्यक्त किए। संचालन क्षेत्रीय संयोजिका नीता गादिया ने किया। सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, प्रकाश लोढ़ा, ललित मांडोत, राजेश चावत सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

श्रावक के जीवन में व्रत व नियम का होना अति आवश्यक : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय हनुमंतनगर स्थित जैन स्थानक में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि प्रभु महावीर ने आत्मकल्याण के लिएअपनी शक्ति-सार्मथ्यानुसार अपने जीवन में कुछ ना कुछ व्रत- पच्चकखाण - नियम धारण किए। विवेकी ही धर्मात्मा हो सकता है। श्रावक भी तभी श्रावक कहला सकता हैं जब उसके जीवन में कोई न कोई मर्यादा और व्रत-नियम अंगीकार कर उसका पालन करता है। वरना बिना व्रत धारण किए और पालना किए बिना वह श्रावक नहीं हो सकता। प्रभु महावीर ने बारह प्रकार के तप बताए हैं। अपने जीवन में आचरण-व्यवहार साधना में निर्बल से निर्बल और सबल से सबल सभी

आत्माएं उन अनशन, अनोदरी, रसपरित्याग आदि छह प्रकार के बाध्य तपों एवं प्रायश्चित, विनय, वैयावृत्य, ध्यान, स्वाध्याय आदि छह आभ्यन्तर तपों का सम्यक प्रकार से सुगमतापूर्वक उन तपों का पालन करके प्रत्येक भव्यात्मा मोक्ष मंजिल को प्राप्त कर सकती है।असंयम मृत्यु के समान है।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र के तपोमार्ग गति नामक तीसवें अध्ययन एवं चरणविधि नामक 31 वें अध्ययन पर विवेचना करते कहा कि तपो-मार्ग अध्ययन में बारह प्रकार के तपों आदि का सभी भेद - प्रभेद, मुख्य दो भेद बाध्य तप एवं आभ्यन्तर तप का मुख्य रूप से वर्णन किया गया है। नए कर्मों के आगमन की रोकना और पहले के बंधे कर्मों की निर्जरा करना यह मोक्ष मार्ग प्राप्ति के ही प्रमुख आधार है। जब तक कर्म लगे है तब तक यह शरीर है। उन्होनें कहा कि तप एक ऐसा दिव्य रसायन है। जैसे औषधि से रोगी के रोग का निदान होता हैं और वो उस दवा औषधि का सेवन कर ठीक स्वस्थ हो जाता है। ठीक वैसे ही तप रुपी यह संजीवनी बूटी आत्मा पर लगे सैकड़ों वर्षो के संचित कर्म रूपी रोगों का दहन करती हैं, क्षय करती है और कर्म क्षय- नष्ट होकर हमारी आत्मा कुंदन के समान तेजस्वी, ओजस्वी,निर्मल, शुद्ध और प्रभावशाली बनती है। संचालन संघ उपाध्यक्ष पारसमल दुग्गड़ ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कविता

कर्ण उवाच

भूल गई तुम वो सखा प्रेम पांचाली।
जब अंगुष्ठ मात्र पे घोषणा कर डाली।
सूतसुत संग नहीं संभ्रांता विवाह रचेगी।
ऐसा हुआ तो आन राजवंश की नहीं बचेगी।
उच्चकुल का तब अनायास ही भान हुआ्।
सोचो तब कितना किसी का अपमान हुआ्।
तेरे सखा समर्पण से ही धर्म मित्रता का जाना मैंने।
सुयोधन को बस सत्य मित्र ही तो है माना मैंने।
सखा समर्थन ही कर्तव्य होता जब परम है।
सुयोधन के संग रहना ही तब मेरा धर्म प्रथम है।
न निष्फल था, न ही किसी से पराजित था।
होता विजयी अवश्य ही सत्य सबको विदित था।
सफल होने की तो बात करूं ही क्या तुझसे।
तूने निष्फल होने का भी छीना अधिकार मुझसे।
तेरे पंचनाथ तो फिर भी निज को हारे बैठे हैं्।
मान सम्मान, धन साधन खो कर सारे बैठे हैं्।
दासी संग तो दासी सम ही व्यवहार होगा।
दासी का भला संभव कैसे महिषी सत्कार होगा।
मैं तो जन्म से सूत था, तू तो कर्म से दासी है अब।
अन्नदाता के चरणों में ही तेरी गंगा, काशी है अब।
मुझसे अब अपेक्षा कौन अधिकार से जता रही।
मर्यादा भंगी होकर तुम मुझको मर्यादा बता रही।
वो वैसा ही लौट कर आता जो जैसा दिया जाता है।
फल का मानव कर्मों से सापेक्ष बस यही नाता है।
मैं तो वैसे भी सूत हूं कैसे राजपुरूषों में बोलूं।
बोलो संभ्रांत पांचपतिया कैसे बंधन महिषी के खोलूँ

सुनो हे विगत मुदिते समय समय का फेर है।
सुना तो तुमने भी होगा देर है पर नहीं वहां अंधेर है
जन्म आधार ही जब तक मानवता की कसौटी होगी।
कर्म की गणना जब तक जगत में छोटी होगी।
तब तक यूं ही मनुष्यता बिलखती और रोती रहेगी।
अनैतिकता के समक्ष नैतिकता नंगी होती रहेगी।
जब तक वर्ण आधारित योग्यता का हनन होगा।
तब तक यूं ही राजसभा में निर्बल का चीरहरण होगा।

नारी की लज्जा निसंदेह उसका वस्त्र है।
पुरुष का भी तो मान उसका शस्त्र है।
जब जब पौरुष का शस्त्र हरण होगा।
तब तब नारी का वस्त्र हरण होगा।

योग्यता को जब जब वंचित रखा जाएगा।
जन्म प्रधान्य भाव संचित रखा जाएगा।
तब तब योग्य पर अयोग्य प्रभावी होंगे।
षडयंत्र तब तब राजतंत्र पर हावी होंगे।

■ मैकश

'तप रुपी अग्नि में निखरकर आत्मा की होती है शुद्धि'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री मलयप्रभसागरजी द्वारा परमात्मा महावीर निर्वाण कल्याणक के अवसर पर उत्तराध्ययन सूत्र के छत्तीस अध्ययनों के वांचन विवेचना के दौरान कहा कि तप रुपी अग्नि से ही आत्मा निखरेगी। बाह्य शुद्धि से अधिक महत्वपूर्ण आन्तरिक शुद्धि है। शरीर तो वापस मैला हो जाएगा, लेकिन आत्मा एक बार शुद्ध हो जाती है तो वही हमें इस संसार सागर से तारने का कार्य करती है।

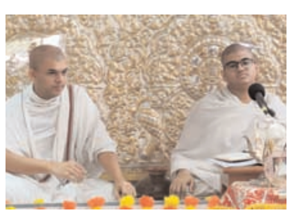

तेरहवें अध्ययन चित्र सम्भूति से गुरुदेव ने बताया कि आत्मा स्वयं कर्म करती और आत्मा ही भोगती है।

जो पुण्य आत्मा करती है उसका इन्द्रियां भी सुख भोगती है। उत्तराध्ययन सूत्र में साधु साध्वी के आचार विचार के बारे में बताते हुए कहा गया है कि जो ज्ञान दर्शन चारित्र की आराधना के द्वारा अपने कर्मों का नाश करता है वही भिक्षु है। साधु साध्वी को शेर के जैसे दीक्षा ग्रहण करनी चाहिए और शेर के जैसे ही दीक्षा पालन करना चाहिए्। जब कर्मों ने साक्षात तीर्थंकर परमात्मा को नहीं छोड़ा, तो हमें विचार करना होगा कि हमारा क्या होगा। अहंकार के कारण भगवान की आत्मा को अनेक बार नीच गौत्र में जन्म लेना पड़ा और अन्त में देवानंदा की कुक्षी में जन्म लेना पड़ा।

वासुदेव के भव में द्वारपाल के कानों में शीशा डलवाया उसका फल भी अंतिम भव में भुगताना पड़ा। भगवान दया के सागर और करुणा के आगर थे। उन्होंने सब कुछ समभाव से सहन किया और महावीर के भव में केवलज्ञान प्राप्त कर स्व और पर कल्याण करते हुए मोक्ष चले गए।

तेयुप विजयनगर में आयोजित की 'वीतराग पथ' विषयक कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद निर्देशित 'वीतराग पथ कार्यशाला' का आयोजन साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य मे तेयुप विजयनगर द्वारा तेरापंथ भवन, विजयनगर में किया गया। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि मोक्ष मार्ग पर बढ़ते हेतु इस कार्यशाला से संयम जीवन की प्रेरणा मिलती रहेगी।

वीतराग पथ कार्यशाला को संबोधित करते हुए साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने कहा कि वीतरागी बनना हमारा परम लक्ष्य होना चाहिए्। वीतरागी बनने के लिए प्रमाद से रहित जागरूकता से कर्मों के बंधन से बचना चाहिए्। साध्वीश्री

ने आचार्यश्री तुलसी के महनीय अवदान ज्ञानशाला के वर्तमान स्वरूप की परिकल्पना हेतु गुरुदेव तुलसी का मंगल स्मरण किया।

ज्ञानशाला प्रशिक्षिका वर्षा बैद ने थावच्चापुत्र की कहानी नाट्य संवाद द्वारा प्रस्तुत की तथा उपस्थित बच्चों को संयम की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साध्वीश्री दीक्षाप्रभाजी ने चार गति का वर्णन किया। बच्चों को विद्वान, महान और अच्छा साधु बनने के लिए दर्शन केंद्र पर प्रयोग करवाया। कार्यक्रम में ज्ञानार्थियों से प्रश्नोत्तरी द्वारा रोचकता प्रदान की गई। इस अवसर पर अभातेयुप से विकास बाँठिया, महिलाअध्यक्षा मंजू गादिया ने शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में परिषद से सहमंत्री पवन बैद, कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठन मंत्री पंकज कोचर वीतराग पथ कार्यशाला संयोजक देवांग बैद, करण मांडोत, ज्ञानशाला संयोजिकाएं आदि उपस्थित थे। संचालन तेयुप मंत्री संजय भटेवरा ने किया। देवांग बैद ने धन्यवाद दिया।

साध्वियों द्वारा हस्त निर्मित वस्तुओं का किया गया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। शहर के तेरापंथ भवन में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में दो दिवसीय हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ नगर परिषद के अध्यक्ष नागेशजी एवं उपाध्यक्ष वरुणकुमार ने किया। नागेशजी एवं उनके साथियों ने तेरापंथ धर्मसंघ की साध्वियों द्वारा निर्मित नारियल के पात्र, पेपरवेट से बनी आकर्षक वस्तुए पीपल के पत्तों पर की गई चित्रकारी, 50 वर्ष पुराने फोटो एवं धागों से बनी माला, कसिदा रंगाई, सिलाई कार्य आदि का अवलोकन किया। नागेश ने कहा कि जैन संत की कला वंदनीय है। यह प्रदर्शनी बहुत सुंदर एवं कलात्मक है।

साध्वी संयमलताजी ने कहा कि कला जीवन को उपयोगी एवं सार्थक बनाती है। कलात्मक व सुव्यवस्थित जीवन जीना ही वास्तविक जीवन जीना है। साध्वियों ने अपने जीवन मे कला को जिया है। छोटी-2 एवं बारीक वस्तुओं का निर्माण उनके समर्पण एवं पुरुषार्थ को दर्शाता है। गहरी एकाग्रता से निर्मित ये वस्तुए हर व्यक्ति को प्रेरणा देती है कि पुरुषार्थ की लौ कभी मंद ना हो। साध्वियों ने सभी वस्तुओं की विवरण सहित जानकारी दी। मंड्या, मैसूरु एवं बेंगलूरु के श्रावक-श्राविकाओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया'

'धन को मात्र दूध से नहीं, धर्म व पुण्य से धोएं'

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के पंडाल में दीपमालिका पर्व के विशेष कार्यक्रमों के अंतर्गत मंगलवार को जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने धनतेरस और शास्त्रों में वर्णित विविध लक्ष्मियों की मर्मस्पर्शी विवेचना की। उन्होंने सलाह दी कि भारतीय शुद्ध मिठाईयों को छोड़कर खाने-खिलाने में चॉकलेट को लाना घातक है। ऐसे विज्ञापनों को देखकर अपनी परंपराओं को मत छोड़िए। मिठाई की तुलना में चॉकलेट नुकसानकारक है। फिर छोटे व सामान्य लोगों को छोड़कर बार बार बड़े बड़े मॉल में खरीददारी करना भी सामाजिक अन्याय है। सबकी दीपावली रोशन हों इसके लिए जरूरी हैं कि छोटे और सामान्य लोगों को भी आमदनी हों। बड़े बड़े मॉल में जाकर और ऑनलाइन शॉपिंग का चलन बढ़ाकर पूरा भारतीय समाज भारी गलती कर रहा है। वो देश की आधी से अधिक प्रजा को भूखे मारने की व्यवस्था कर रहा है। यह अधर्म का काम हो रहा है। इसे संगठित प्रयासों से रोका जाना चाहिये। इस अर्थ में छोटे और सामान्य लोगों के पास से खरीददारी करना पुण्य का कार्य है। सिर्फ हमारे घर ही नहीं चमकने चाहिएं, छोटे और सामान्य लोगों के घर का अंधेरा भी दूर होना चाहिए। वही सच्ची धनतेरस और वास्तविक दीपावली है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धन को दूध-दही से नहीं, धर्म से धोने का पुरुषार्थ करना चाहिए, तभी धनतेरस सार्थक होगी। बिना धर्म के धन की तरस मिटेगी नहीं्। जीवन मिटता जा रहा है, लेकिन प्यास नहीं मिट रही। शास्त्रों में अनेक प्रकार की लक्ष्मियों का मार्मिक वर्णन हैं। धनतेरस के दिन धन की पूजा से पहले इसे अच्छी तरह समझना बहुत उपयोगी है। माना कि धनलक्ष्मी के बिना इस संसार में कुछ भी नहीं हो सकता। जीवन में कदम कदम पर धन-संपत्ति की आवश्यकता रहती है। लेकिन यह भी परम सत्य है कि यदि हम अपने आप से संतुष्ट नहीं हैं तो दुनियां में धन की ऐसी कोई मात्रा नहीं हैं, जो हमें संतुष्ट कर सके। असंतोष की आग जीवन का सबसे बड़ा अव्यक्त दु:ख है। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि पूजा में सभी सरस्वती साधकों को अभिमंत्रित अर्घ्य प्रदान किया गया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com